पेज 06 में...
योग की ताकत पूरी दुनिया को जोड़ रही है: पीएम मोदी



साप्ताहिक
# शहर सत्ता
PRGI NO. CTHIN/25/A2378
सोमवार, 22 जून से 28 जून 2026
हम दिखाएंगे आईना...

पेज 12 में...
साय महफ़ूज़ मंत्री खतरे में...



वर्ष : 02 अंक : 16 पृष्ठ : 12 मूल्य : 5 रुपए www.shaharsatta.com



पेज 07 वैभव के तूफान में उड़ा श्रीलंका


# एशियाई स्क्वैश का केंद्र बना रायपुर

## ईस्टर्न स्लैम 2026 - छत्तीसगढ़ में खेल संस्कृति की नई ऊड़ान

खेल संवाददाता/सुमित यादव
मोबाईल नंबर 8987832355


ईस्टर्न स्लैम 2026 केवल एक खेल प्रतियोगिता नहीं, बल्कि छत्तीसगढ़ में स्क्वैश के बढ़ते प्रभाव और खेल संस्कृति की नई उड़ान बन गया है। देश-विदेश के खिलाड़ियों और तकनीकी विशेषज्ञों की मौजूदगी से रायपुर एशियाई स्क्वैश गतिविधियों का प्रमुख केंद्र बना। बूढ़ापारा स्थित स्क्वैश कॉम्प्लेक्स में 22 जून से शुरू प्रतिष्ठित ईस्टर्न स्लैम 2026 एशिया के उभरते और स्थापित स्क्वैश खिलाड़ियों का संगम बन गया। छत्तीसगढ़ स्क्वैश एसोसिएशन (सीएसए) द्वारा स्क्वैश रैकेट्स फेडरेशन ऑफ इंडिया और एशियन स्क्वैश फेडरेशन की मान्यता के तहत आयोजित इस अंतरराष्ट्रीय सैटेलाइट टूर्नामेंट में भारत और सिंगापुर के शीर्ष जूनियर एवं सीनियर खिलाड़ियों की प्रतिभा के प्रदर्शन ने खासा रोमांचित किया।

### ओलंपिक 2028 में शामिल है स्क्वैश

दशकों के लंबे अभियानों और प्रयासों के बाद, इस तीव्र रैकेट खेल को लॉस एंजिल्स 2028 ओलंपिक खेलों में शामिल किया गया है। इसके तहत पुरुष और महिला एकल (सिंगल्स) की स्पर्धाएँ आयोजित की जाएंगी। वैसे यह खेल 1997 से वर्ल्ड गेम्स का हिस्सा रहा है।

**शहरसत्ता/रायपुर।** पहले हम आपको बता दें कि स्क्वैश खेलने से कुछ ही मिनटों में अन्य किसी भी खेल की तुलना में तेज़ी से कैलोरी बर्न की जा सकती है। शोध से पता चला है कि 30 मिनट तक स्क्वैश खेलने से 517 कैलोरी बर्न हो सकती हैं। यूनिवर्सिटी ऑफ़ रोचेस्टर के वैज्ञानिकों ने साबित किया है कि हफ्ते में सिर्फ़ तीन घंटे रैकेट स्पोर्ट खेलने से लोगों का ब्लड प्रेशर कम हो सकता है और दिल की बीमारियों का खतरा कम हो सकता है। स्क्वैश खेलते समय अच्छा एरोबिक वर्कआउट पाने का एक तरीका यह है कि आराम का समय कम रखा जाए (ज़्यादा से ज़्यादा 1-2 मिनट के बीच)। इससे ताकत और फिटनेस भी बढ़ती है, हेल्दी वज़न बना रहता है, पीठ में फ्लेक्सिबिलिटी और स्टेबिलिटी बढ़ती है, अच्छा कोऑर्डिनेशन, फुर्ती और फ्लेक्सिबिलिटी बढ़ती है, और हाथ-आँख का कोऑर्डिनेशन बनता है। स्क्वैश के सबसे ज्यादा कोर्ट रायपुर में माने जाते हैं जिनकी संख्या लगभग 40 है। यह निजी क्लबों में भी स्थापित हैं। रायपुर में बूढ़ापारा स्थित आउटडोर स्टेडियम में स्क्वैश के अंतरराष्ट्रीय मापदंड के 4 कोर्ट हैं। बीते 25 वर्षों में राष्ट्रीय स्तर पर तीन सौ से भी ज्यादा खिलाड़ी तैयार हुए हैं। बीते 25 साल में रायपुर में पहली बार दो हजार डॉलर प्राइजमनी वाली यह इंटरनेशनल स्पर्धा आयोजित की जा रही है।

अब यह जान लीजिए कि स्केवैश खेला कैसे जाता है। स्क्वैश एक रैकेट वाला खेल है जिसे चार दीवारों वाले कोर्ट में दो खिलाड़ी (या डबल्स मुकाबले में चार खिलाड़ी) खेलते हैं। यह कई मायनों में रैकेटबॉल जैसा ही है। इसमें खिलाड़ी बारी-बारी से गेंद को दीवार के खेलने लायक हिस्सों पर मारते हैं और पॉइंट हासिल करने की कोशिश करते हैं, ताकि विरोधी खिलाड़ी गेंद को वापस न मार पाए। इस खेल का इतिहास भी कम रोमांचक नहीं है। ओलंपिक्स डॉट काम के अनुसार, स्क्वैश की शुरुआत रैकेट के खेल से हुई है जो टेनिस की तर्ज पर खेला जाता है। 18वीं शताब्दी में लंदन की जेलों में यह खेल खेला जाता था, जहां जहाँ कैदी समय बिताने और व्यायाम करने के लिए रैकेट से दीवारों पर गेंद मारते थे। 19वीं सदी के मध्य में, इंग्लैंड के प्रसिद्ध हैरॉ स्कूल के छात्रों ने खेल में थोड़ा बदलाव किया। छात्रों ने कठोर गेंद की जगह एक बड़ी, खोखली और कम उछाल वाली रबर की गेंद का इस्तेमाल शुरू किया। दीवार से टकराने पर यह 'स्क्वैश' (पिचक) जाती थी, जिसके कारण इस खेल का नाम स्क्वैश पड़ा।

मूल रूप से 'बेबी रैकेट्स' के नाम से मशहूर, यह खेल अपने पब्लिक स्कूल ओरिजन से बाहर फैलता गया, और फिर कोर्ट का भी निर्माण होने लगा। आज स्क्वैश एक अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खेला जाने वाला बेहद लोकप्रिय और स्वास्थ्यवर्धक इनडोर रैकेट खेल बन चुका है।

### भारत की उपलब्धियाँ

सौरव घोषाल

दीपिका पल्लीकल

जोशना चिनप्पा

भारतीय स्क्वैश ने पिछले दो दशकों में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उल्लेखनीय पहचान बनाई है। पुरुष वर्ग में सौरव घोषाल भारत के सबसे सफल खिलाड़ियों में गिने जाते हैं, जो विश्व रैंकिंग के शीर्ष-10 में पहुंचने वाले पहले भारतीय पुरुष खिलाड़ी बने। ऋत्विक भट्टाचार्य प्रोफेशनल स्क्वैश एसोसिएशन की विश्व रैंकिंग में शीर्ष 50 में जगह बनाने वाले पहले भारतीय स्क्वैश खिलाड़ी थे। वह नवंबर 2006 में सर्वश्रेष्ठ 38वें स्थान पर पहुंचे थे। महिला वर्ग में दीपिका पल्लीकल और जोशना चिनप्पा ने राष्ट्रमंडल खेलों तथा अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में शानदार प्रदर्शन कर भारतीय स्क्वैश को नई पहचान दिलाई। वहीं हरिंदर पाल सिंह संधू, महेश मंगांवकर और रमित टंडन ने भी विश्व स्तर पर भारत का सफल प्रतिनिधित्व किया है। वर्तमान में युवा खिलाड़ी अनाहत सिंह अपनी प्रतिभा से अंतरराष्ट्रीय मंच पर तेजी से उभर रही हैं और भारतीय स्क्वैश के उज्ज्वल भविष्य की प्रतीक मानी जा रही हैं।

# छत्तीसगढ़ की उपस्थिति अंतर्राष्ट्रीय मानचित्र पर

डॉ. विष्णु कुमार श्रीवास्तव

मनोज कुमार अग्रवाल

गौतम दास

राहुल साहू

रायपुर के बूढ़ापारा स्थित अंतर्राष्ट्रीय स्क्वैश कोर्ट में ईस्टर्न स्लैम 2026 का आयोजन 27 जून 2026 तक है। इस आयोजन के माध्यम से छह दिनों तक छत्तीसगढ़ की उपस्थिति अंतरराष्ट्रीय मानचित्र पर होगी। इस आयोजन की कमान चैंपियनशिप चेयरमैन डॉ. विष्णु कुमार श्रीवास्तव के हाथों में है, जो छत्तीसगढ़ स्क्वैश एसोसिएशन के संस्थापक होने के साथ-साथ विश्व कप, सैफ गेम्स और अनेक राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में अपनी तकनीकी दक्षता का लोहा मनवा चुके हैं।

वे बताते हैं कि आयोजन के टूर्नामेंट वाइस चेयरमैन के रूप में छत्तीसगढ़ स्क्वैश एसोसिएशन के उपाध्यक्ष एवं रायपुर जिला स्क्वैश एसोसिएशन के अध्यक्ष मनोज कुमार अग्रवाल महत्वपूर्ण जिम्मेदारी निभा रहे हैं।

वहीं भारत के सबसे सम्मानित स्क्वैश प्रशिक्षकों में शुमार गौतम दास को टूर्नामेंट डायरेक्टर की जिम्मेदारी सौंपी गई है। कॉमनवेल्थ गेम्स, वर्ल्ड टीम चैंपियनशिप और एशियन डबल्स चैंपियनशिप में भारतीय खिलाड़ियों को सफलता दिलाने वाले गौतम दास के अनुभव से प्रतियोगिता को नई ऊर्जा मिलने की उम्मीद है। प्रतियोगिता के संचालन और समन्वय की जिम्मेदारी राष्ट्रीय तकनीकी निर्णायक राहुल साहू निभा रहे हैं, जिन्हें नेशनल गेम्स और खेलो इंडिया जैसे बड़े आयोजनों का अनुभव प्राप्त है।

## निष्पक्ष मुकाबलों के लिए अनुभवी रेफरियों की फौज

डॉ. मोहम्मद साबिर

दीक्षांत कश्यप देव

पारुल

खुशबू

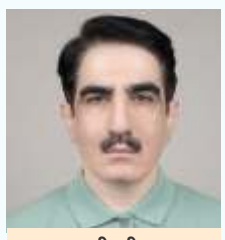
नसीमुद्दीन

ईस्टर्न स्लैम 2026 की सबसे बड़ी विशेषता इसकी मजबूत तकनीकी टीम है। मैचों के निष्पक्ष और पारदर्शी संचालन की जिम्मेदारी अंतरराष्ट्रीय स्तर के रेफरी डॉ. मोहम्मद साबिर संभाल रहे हैं।

वर्ल्ड स्क्वैश ऑफिशिएटिंग लेवल-3 रेफरी डॉ. साबिर विश्व जूनियर स्क्वैश चैंपियनशिप और दक्षिण एशियाई खेलों जैसे प्रतिष्ठित आयोजनों में अपनी सेवाएं दे चुके हैं। असम के दीक्षांत कश्यप देव शर्मा, उत्तर प्रदेश के नसीमुद्दीन और हसन रज़ा, चंडीगढ़ की पारुल तथा उत्तर प्रदेश की अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी एवं ऑफिशियल खुशबू भी तकनीकी टीम का हिस्सा हैं। इन सभी अधिकारियों ने राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में अपनी दक्षता सिद्ध की है।

## मेजबान छत्तीसगढ़ भी पीछे नहीं

प्रशांत पांचे

केशव कुमार जलक्षत्री

श्रेयांश लाल

मेजबान राज्य छत्तीसगढ़ के तकनीकी अधिकारियों में केशव कुमार जलक्षत्री, प्रशांत पांचे और श्रेयांश लाल भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। राष्ट्रीय खेलों और खेलो इंडिया जैसी प्रतियोगिताओं में रेफरी रह चुके केशव जलक्षत्री के अनुभव का लाभ आयोजन को मिलेगा। वहीं डेटा एनालिस्ट एवं रेफरी श्रेयांश लाल तकनीकी समन्वय और संचार व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने में सहयोग देंगे।

## अंतरराष्ट्रीय स्क्वैश प्रतियोगिता ईस्टर्न स्लैम के उद्घाटन में उपस्थित होंगे राज्यपाल रमेन डेका

छत्तीसगढ़ में पहली बार आयोजित हो रही अंतरराष्ट्रीय स्तर की स्क्वैश प्रतियोगिता ईस्टर्न स्लैम 2026 का उद्घाटन 22 जून को दोपहर 1:00 बजे स्क्वैश कॉम्प्लेक्स, बुढ़ापारा में आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राज्यपाल श्री रमेन डेका होंगे। यह प्रतिष्ठित प्रतियोगिता एशियन स्क्वॉश फेडरेशन, स्क्वॉश रैकेट्स फेडरेशन ऑफ इंडिया एवं छत्तीसगढ़ ओलंपिक एसोसिएशन के तत्वाधान में तथा छत्तीसगढ़ स्क्वॉश एसोसिएशन द्वारा आयोजित की जा रही है।

# छत्तीसगढ़ में 'रिश्वत का राज'

## क्या व्यवस्था बदल गई है या सिर्फ भ्रष्टाचार का 'मोडस ऑपरेंडी'?

**शहर सत्ता/रायपुर।** छत्तीसगढ़ की प्रशासनिक गलियारों में इन दिनों एक अजीब सी हलचल है। यह हलचल किसी नई विकास परियोजना के शिलान्यास की नहीं, बल्कि उन दफ्तरों के भीतर की है, जहाँ आम आदमी अपनी फाइलों के साथ न्याय की उम्मीद लेकर जाता है। एंटी करप्शन ब्यूरो (एसीबी) के पिछले 29 महीनों के आंकड़े एक ऐसी तस्वीर पेश करते हैं जो न केवल चौंकाने वाली है, बल्कि व्यवस्था की जड़ों में जमी दीमक की भयावहता को भी उजागर करती है। जनवरी 2024 से मई 2026 तक के रिकॉर्ड बताते हैं कि राज्य में सरकार बदलने के बाद भ्रष्टाचार के खिलाफ कार्रवाई का ग्राफ तो तेजी से ऊपर गया है, लेकिन सवाल यह है कि क्या यह 'भ्रष्टाचार का अंत' है या महज 'पकड़े जाने का नया दौर'?

### 29 महीने, 161 गिरफ्तारियां: एक कड़वा सच

एसीबी के हालिया आंकड़ों के मुताबिक, इन 29 महीनों में 128 ट्रैप कार्रवाइयां की गईं, जिनमें 161 सरकारी अधिकारी और कर्मचारी रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ पकड़े गए। ये केवल आंकड़े नहीं हैं; ये उन हजारों फाइलों की चीखें हैं जो बिना सुविधा शुल्क दिए आगे नहीं बढ़ पाती थीं। हैरानी की बात यह है कि इस दौरान कुल 45.38 लाख रुपये से अधिक की रिश्वत की राशि जब्त की गई है। यह रकम उस 'अघोषित टैक्स' का हिस्सा है, जिसे आम नागरिक अपने हक के कामों के लिए चुकाने को मजबूर था।

### कहां सबसे ज्यादा पनप रहा 'घूस का दलदल'

अगर हम विभागों की बात करें, तो राजस्व, शिक्षा, पंचायत, पुलिस और नगरीय प्रशासन विभाग घूसखोरी के मामले में सबसे शीर्ष पर हैं। यह वह सूची है जहाँ एक आम इंसान का वास्ता सबसे अधिक पड़ता है। जमीन का नामांतरण हो, सीमांकन कराना हो, या फिर पेंशन की फाइल को आगे बढ़वाना हो, हर स्तर पर 'सुविधा शुल्क' की मांग ने आम आदमी की कमर तोड़ दी है। राजस्व विभाग में पटवारियों और लिपिकों की संलिप्तता ने इस विभाग को भ्रष्टाचार का पर्याय बना दिया है, जहाँ जमीन रिकॉर्ड सुधारने और सीमांकन जैसे कामों के लिए भी रिश्वत मांगी जा रही है।

### सिर्फ निचले कर्मचारी ही नहीं, रडार पर 'बड़े साहब' भी

भ्रष्टाचार के इस खेल में अक्सर यह तर्क दिया जाता है कि निचले स्तर पर गड़बड़ी है। लेकिन एसीबी की यह रिपोर्ट इस मिथक को तोड़ती है। पकड़े गए लोगों की सूची में एसडीएम, तहसीलदार, नायब तहसीलदार, अतिरिक्त तहसीलदार, जिला शिक्षा अधिकारी (DEO), ब्लॉक शिक्षा अधिकारी (BEO), ब्लॉक चिकित्सा अधिकारी (BMO), मुख्य नगर पालिका अधिकारी (CMO), पुलिस इंस्पेक्टर, एसआई और एएसआई स्तर के अधिकारी शामिल हैं। इसके अलावा, कई अभियंता और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों की गिरफ्तारी यह साबित करती है कि भ्रष्टाचार का यह जाल सिस्टम के ऊपरी स्तर तक फैला हुआ है। जब रक्षक ही भक्षक बन जाएं, तो आम आदमी किसके पास जाए? यह एक बड़ा यक्ष प्रश्न है।

### क्या कार्रवाई तेज होने का मतलब भ्रष्टाचार घटना है!

यह तथ्य है कि सरकार बदलने के बाद ट्रैप और भ्रष्टाचार के मामलों में कार्रवाई तेज हुई है। इससे पहले की कांग्रेस सरकार के समय ये विभाग तुलनात्मक रूप से सुस्त थे और भ्रष्टाचार के खिलाफ कार्रवाई के मामले में काफी पीछे थे। लेकिन एसीबी का ग्राफ एक और डरावनी सच्चाई बयां करता है: कार्रवाई बढ़ने के बावजूद शिकायतें कम नहीं हो रही हैं। वर्ष 2025 में सबसे ज्यादा ट्रैप मामले दर्ज हुए। वहीं, 2026 के केवल पांच महीनों में दो दर्जन से अधिक मामले सामने आ चुके हैं। यह दर्शाता है कि भ्रष्टाचार के प्रति लोगों की सहनशीलता खत्म हो रही है और वे अब मुखर होकर शिकायतें कर रहे हैं। लेकिन, क्या प्रशासनिक सुधार हो रहे हैं? या हम केवल रंगे हाथ पकड़ने के चक्रव्यूह में फंसे हैं?

### किन कामों के लिए मची है सबसे ज्यादा लूट

एसीबी की रिपोर्ट में कुछ काम ऐसे हैं जहाँ रिश्वत की मांग सबसे आम है:

- **जमीन संबंधी काम:** नामांतरण, सीमांकन और रिकॉर्ड सुधार
- **भुगतान का पेंच:** निर्माण कार्यों के बिल और मुआवजा राशि के लिए रिश्वत
- **भविष्य की सुरक्षा:** पेंशन और ग्रेच्युटी के लिए भी घूस की मांग
- **बुनियादी सेवाएं:** बिजली कनेक्शन जैसे छोटे कामों में भी भ्रष्टाचार
- **औद्योगिक संचालन :** औद्योगिक संचालन के लिये लगने वाली तमाम अनुमतियों के लिए पैसों की मांग

### टॉप जिले: जहां घूसखोरी सबसे ज्यादा चर्चा में रही

आंकड़ों की मानें तो सूरजपुर, सरगुजा, रायपुर, रायगढ़, मुंगेली और बिलासपुर वे जिले हैं जहाँ घूसखोरी की कार्रवाई सबसे अधिक दर्ज की गई। इन क्षेत्रों में एसीबी का जाल लगातार बिछा हुआ है, जिससे यह स्पष्ट होता है कि भ्रष्टाचार किसी एक भौगोलिक क्षेत्र तक सीमित नहीं, बल्कि पूरे राज्य की बीमारी बन चुका है।

क्या हम सही दिशा में हैं!

आज जब हम 'विकसित छत्तीसगढ़' का सपना देख रहे हैं, तो यह कड़वी सच्चाई हमें आईना दिखाती है कि बिना रिश्वत दिए सरकारी तंत्र में एक पत्ता भी नहीं हिलता कार्रवाई का बढ़ना निश्चित रूप से एक सकारात्मक कदम है, लेकिन यह पर्याप्त नहीं है। जब तक प्रशासनिक प्रक्रियाओं का सरलीकरण नहीं होगा, ऑनलाइन सिस्टम पारदर्शी नहीं होगा और अधिकारियों के भीतर कानून का डर पूरी तरह स्थापित नहीं होगा, तब तक यह 161 की संख्या और बढ़ेगी। भ्रष्टाचार सिर्फ एक कानूनी अपराध नहीं है, यह जनता के विश्वास की हत्या है। जिस दिन एक आम नागरिक को बिना रिश्वत दिए अपना काम कराने का अधिकार मिलेगा, उसी दिन हम कह पाएंगे कि हम 'घूसखोरी के दलदल' से बाहर निकल आए हैं। फिलहाल, 27 विभागों पर कार्रवाई और 161 गिरफ्तारियां इस बात का संकेत हैं कि खेल बड़ा है और खिलाड़ी भी रसूखदार हैं। क्या आने वाले महीनों में यह आंकड़ा और गिरेगा या फिर भ्रष्टाचारी अपने तौर-तरीके और अधिक गुप्त कर लेंगे? यह तो वक्त ही बताएगा।

### रसूख का दायरा: पुलिस भी दायरे से बाहर नहीं

सबसे चौंकाने वाला पहलू यह है कि रिश्वत का दायरा सिर्फ राजस्व दफ्तरों तक सीमित नहीं रहा। एसीबी के रिकॉर्ड बताते हैं कि पुलिस विभाग में भी चालान पेश करने में राहत देने, जब्त वाहन छोड़ने या किसी प्रकरण में 'मदद' करने के नाम पर रकम वसूली जाती रही है। पुलिस कार्रवाई को प्रभावित करने के लिए पैसों की मांग का मतलब है कि कानून का शासन भी अब मोल-भाव की वस्तु बन गया है।

# रायपुर कोर्ट में फर्जी वकील गिरफ्तार 6 आधार और आईडी कार्ड बरामद

**रायपुर।** राजधानी रायपुर के जिला न्यायालय परिसर से एक कथित फर्जी वकील को गिरफ्तार किया गया है। जिला बार एसोसिएशन के पदाधिकारियों और अधिवक्ताओं की सतर्कता के चलते आरोपी की पहचान उजागर हुई, जिसके बाद उसे सिविल लाइन थाना पुलिस के हवाले कर दिया गया। शुरुआती जांच में मामले से जुड़े कई चौंकाने वाले तथ्य सामने आए हैं। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से 4 से 5 संदिग्ध आधार कार्ड सहित कई पहचान पत्र बरामद किए गए हैं। वहीं, इस मामले में किसी संगठित गिरोह के सक्रिय होने की आशंका भी जताई जा रही है। पुलिस के अनुसार, आरोपी से जुड़े पांच अन्य सदस्य फरार हैं, जिनकी तलाश के लिए लगातार कार्रवाई की जा रही है। मामले में पूरे नेटवर्क की जांच जारी है और फरार आरोपियों की गिरफ्तारी के प्रयास किए जा रहे हैं। जानकारी के मुताबिक आरोपी कोर्ट परिसर में वकील बनकर आने-जाने वाले लोगों से संपर्क कर रहा था। उसकी गतिविधियां संदिग्ध लगने पर अधिवक्ताओं ने उससे पूछताछ की। पूछताछ के दौरान वह बार-बार अपनी पहचान बदलकर बताने लगा। कभी उसने खुद को हरीश डहरिया बताया, तो कभी मनीष कुर्रे के नाम से परिचय देने की कोशिश की। उसके जवाबों में लगातार विरोधाभास मिलने पर अधिवक्ताओं का संदेह और गहरा गया, जिसके बाद मामले की जानकारी पुलिस को दी गई।

# री-NEET परीक्षा, एग्जाम सेंटर के बाहर हंगामा

## चप्पलें-बाली उतरवाई गई, स्टूडेंट्स बोले- दोबारा एग्जाम से स्ट्रेस में

**रायपुर।** देशभर में री NEET-UG 2026 परीक्षा आयोजित की जा रही है। छत्तीसगढ़ में इस परीक्षा में करीब 45 हजार कैंडिडेट्स शामिल हुए हैं। पूरे प्रदेश में 127 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं, जबकि रायपुर में 25 केंद्रों में परीक्षा हो रही है। NTA की गाइडलाइन के अनुसार कड़ी जांच के बाद स्टूडेंट्स को एंट्री दी गई। रायपुर के चौबे कॉलोनी स्थित मायाराम सुरजन शासकीय विद्यालय के बाहर हंगामा हो गया। परीक्षा केंद्र में एक छात्र को पहले दो स्तर की सुरक्षा जांच के बाद प्रवेश दे दिया गया, लेकिन बायोमेट्रिक सत्यापन के दौरान उसे यह कहकर वापस भेज दिया गया कि उसके एडमिट कार्ड में परीक्षा केंद्र दूसरा दर्ज है।

बताया जा रहा है कि छात्र करीब 10 से 15 मिनट तक केंद्र के अंदर रहा, जिसके बाद उसे बाहर आने के लिए कहा गया। इस वजह से छात्र एग्जाम नहीं दे पाया। इसके अलावा जगदलपुर के पीजी कॉलेज के बाहर नीट पेपर लीक मामले को लेकर NSUI कार्यकर्ता विरोध प्रदर्शन करने पहुंचे। पुलिस ने उन्हें रोकने की कोशिश की, जिसके बाद कार्यकर्ताओं और पुलिस जवानों के बीच जमकर धक्का-मुक्की हुई। मौके पर कुछ देर तक तनाव की स्थिति बनी रही। सुरक्षा जांच और दस्तावेज सत्यापन की प्रक्रिया में लगभग आधा घंटा लग रहा था। स्टूडेंट्स को गाइड करने के लिए अनाउंसमेंट किया गया। ताकि अभ्यर्थी किसी भी तरह की जल्दबाजी या परेशानी से बचने के लिए समय रहते परीक्षा केंद्र में प्रवेश कर लें। रायपुर के एक सेंटर में छात्रा की चप्पलें बदलवाई गई। जगदलपुर, दुर्ग और अन्य जिलों में भी सख्ती से जांच कर स्टूडेंट्स को अंदर प्रवेश दिया गया। स्टूडेंट्स ने कहा कि दोबारा परीक्षा होने से वे स्ट्रेस में हैं। वहीं कुछ सेंटर्स पर पेरेंट्स के लिए कोई सुविधा नहीं की गई।

साप्ताहिक शहर सत्ता

# पशु परिवहन के नाम पर डिजिटल उगाही

## वायरल वीडियो से खुली 'वसूली गैंग' की पोल

**डोंगरगढ़।** इन दिनों सोशल मीडिया पर एक वीडियो जमकर वायरल हो रहा है, जिसमें कुछ लोग एक पिकअप चालक को घेरकर उससे सवाल-जवाब करते दिख रहे हैं। अब खुलासा हुआ है कि यह महज कोई आम जांच नहीं, बल्कि डोंगरगढ़ के एक डेयरी संचालक से एक लाख रुपये वसूलने की एक सुनियोजित साजिश थी।

### घटना का दूसरा पहलू:

यह पूरा मामला 10 जून का है, जब बरमपुर से डोंगरगढ़ पशु ले जाए जा रहे थे। आरोपितों ने एक व्यवस्थित गिरोह की तरह काम किया। पहले चालक को डराया, उसका वीडियो बनाया ताकि उसे सबूत की तरह इस्तेमाल कर सके, और फिर डेयरी मालिक से "वाहन छोड़ने" के नाम पर लाखों रुपये की मांग की। सबसे हैरान करने वाली बात यह है कि वसूली के बाद उसी पशुओं को 15 जून को फिर से मजदूरों के जरिए डोंगरगढ़ भेजा गया, जिससे यह स्पष्ट हो गया कि पूरा खेल सिर्फ रुपये ऐंठने के लिए रचा गया था। बोरतलाव पुलिस अब इस बात की जांच कर रही है कि क्या यह गिरोह पहले भी इसी तरह की अवैध वसूली की घटनाओं में शामिल रहा है। वायरल वीडियो पुलिस की जांच के लिए सबसे मजबूत सबूत बन गया है, जिससे आरोपितों के चेहरे और उनकी धमकियां अब पुलिस की फाइलों में दर्ज हो गई हैं।

## मनगट्टा कांडः रिसॉर्ट मालिक ने युवती से किया था रेप

**राजनांदगांव।** राजनांदगांव जिले के मनगट्टा स्थित विशलिंगवुड्स रिसॉर्ट में मिली युवती की लाश मामले में पुलिस ने 3 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पूछताछ में पता चला कि, युवती के दोस्तों ने ही उसे जबरन शराब पिलाई थी और रिसॉर्ट लेकर गए थे, जहां रिसॉर्ट के मालिक आशुतोष हिरवानी ने युवती से रेप किया। मामला सोमनी थाना क्षेत्र का है। 18 जून को रिसॉर्ट के बाथरूम में युवती की लाश मिली थी, शरीर में खरोंच के निशान मिले हैं। मृतिका को अंदरूनी चोटें भी आई थी। हालांकि, युवती की मौत कैसे हुई, पुलिस आरोपियों से पूछताछ कर रही है। रिसॉर्ट को सील कर आरोपियों को जेल भेज दिया गया है।

**दोस्तों ने जबरन पिलाई शराब, मनगट्टा लेकर आए, बाथरूम में मिली थी लाश, 3 अरेस्ट**

भिलाई की रहने वाली 24 साल की युवती टॉकीज में मैनेजर थी। आरोपी छत्रपाल देशमुख और घनश्याम बेलचंदन दोनों युवती के दोस्त हैं। पुलिस के मुताबिक, 18 जून को तीनों साथ में थे, रायपुर घूमने आए थे। जहां दोस्तों ने मुस्कान को जबरदस्ती शराब पिलाई थी, जिससे वह होश में नहीं थी। इसी हालत में दोस्त उसे राजनांदगांव के मनगट्टा स्थित विशलिंगवुड्स रिसॉर्ट ले गए। जहां रिसॉर्ट के संचालक ने युवती से रेप किया। इसी रात मुस्कान की बाथरूम में लाश मिली थी।

18 जून की रात मेडिकल कॉलेज अस्पताल पेंड्री से पुलिस को युवती की संदिग्ध मौत की सूचना मिली। एसपी अंकिता शर्मा के निर्देश पर सोमनी पुलिस और साइबर सेल की एक स्पेशल टीम बनाई गई। जांच के दौरान, पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट और तकनीकी सबूतों से पता चला कि युवती के साथ आए दोस्त ही उसे बहला-फुसलाकर जबरन रिसॉर्ट ले गए थे। 2 दिन बाद पुलिस ने तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपियों पर रेप और युवती को जबरन चोट पहुंचाने के केस में मामला दर्ज किया गया है। हालांकि मौत कैसे हुई, इसका खुलासा होना अभी बाकी है। आरोपियों पर धारा 64, 115(2), और 3(5) BNS लगाई गई हैं।

## अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस, MLA ईश्वर साहू भड़के, कार्यक्रम का बहिष्कार, पोस्टर में फोटो नहीं होने से हुए नाराज

**अंबिकापुर।** मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर अंबिकापुर के पीजी कॉलेज ग्राउंड में योगाभ्यास किया। इस दौरान उनके साथ मंत्रियों सहित सैकड़ों लोगों ने सामूहिक रूप से योग किया। उन्होंने कहा कि योग भारत की हजारों सालों पुरानी परंपरा और जीवन पद्धति है, जिसकी शुरुआत हमारे ऋषि-मुनियों ने की थी। सीएम ने कहा कि बच्चों को स्वस्थ, अनुशासित और सजग बनाने के उद्देश्य से योग को पाठ्यक्रम में शामिल किया गया है। जो लोग किसी कारणवश अब तक योग को अपने जीवन का हिस्सा नहीं बना सके हैं, वे आज से ही इसकी शुरुआत करें। वहीं साजा से भाजपा विधायक ईश्वर साहू कार्यक्रम में नाराज हो गए। दरअसल, पोस्टर पर उनकी फोटो नहीं लगाई गई। इसलिए उन्होंने कार्यक्रम का बहिष्कार कर दिया।

राहुल गांधी के दौरे को लेकर सीएम ने कहा कि राहुल जहां जाते हैं, हश्र सब जानते हैं। राज्यपाल रामेन डेका ने रायपुर और विधानसभा अध्यक्ष रमन सिंह ने राजनांदगाव में योग किया। डॉ रमन ने कहा कि योग भारतीय संस्कृति की अमूल्य धरोहर है। योगाभ्यास के साथ युवा खिलाड़ियों ने मल्लखंभ और पिरामिड योग का आकर्षक प्रदर्शन किया।

## महासमुंद में बाल श्रम के खिलाफ 'जीरो टॉलरेंस'

- **आयोग की अध्यक्ष ने सड़क पर खुद रुकवाया पिकअप, बचाई 6 बच्चों की जिंदगी**

**महासमुंद।** छत्तीसगढ़ राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग की अध्यक्ष डॉ. वर्णिका शर्मा ने महासमुंद में बाल श्रम के खिलाफ एक साहसी और निर्णायक कार्रवाई की है। तुमगांव थाना क्षेत्र से गुजरते वक्त अध्यक्ष की नजर बैंड पार्टी की एक पिकअप गाड़ी पर पड़ी, जिसमें 6 नाबालिग बच्चे ठूंसे हुए थे। डॉ. शर्मा ने तुरंत वाहन रुकवाया और खुद मौके पर डटकर बच्चों को रेस्क्यू करवाया।

अध्यक्ष ने इस घटना को गंभीरता से लेते हुए वाहन (CG06GM4266) को जब्त करने और दोषियों पर कठोर कानूनी कार्रवाई के आदेश दिए हैं। उन्होंने साफ किया कि बच्चों के बचपन से खिलवाड़ करने वालों को किसी भी सूरत में बख्शा नहीं जाएगा। आयोग अब बाल अधिकार संरक्षण अधिनियम के तहत इस मामले में स्वतः संज्ञान ले रहा है।

## BJP नेता को जिंदा जलाने वाले आरोपियों का निकला जुलूस

### पूर्व विधायक बोले- कानून व्यवस्था ध्वस्त

**कोरिया।** छत्तीसगढ़ के कोरिया जिले में रेत तस्करी विवाद में बीजेपी नेता भरत सिंह उर्फ लल्ला सिंह समेत 3 लोगों की हत्या मामले में आरोपियों का पुलिस ने जुलूस निकाला। आरोपियों ने कहा कि, जुर्म करना पाप है, पुलिस हमारी बाप है। शनिवार को मुख्य आरोपी मनोज त्रिपाठी समेत 4 और आरोपियों ने मनेंद्रगढ़ थाने में सरेंडर किया।

9वें नामजद आरोपी गौरव त्रिपाठी को खड़गवां क्षेत्र से गिरफ्तार किया गया था। कोरिया पुलिस ने देर शाम पटना ले जाकर सड़क पर सभी का जुलूस निकाला, फिर जेल भेज दिया। भरतपुर-सोनहत के पूर्व विधायक गुलाब कमरो ने इस पर सवाल उठाते हुए कहा कि प्रदेश में कानून व्यवस्था की स्थिति ध्वस्त हो गई है।

दरअसल, कोरिया जिले के नौगईं गांव में आरोपियों ने 16 जून की देर रात फॉरच्यूनर के आगे-पीछे हाईवा अड़ाकर रास्ता रोका, फिर वाहन पर पेट्रोल छिड़ककर आग लगा दी। इस हमले में भाजपा के पूर्व जनपद पंचायत अध्यक्ष भरत सिंह उर्फ लल्ला सिंह जिंदा जल गए। फॉर्च्यूनर में सवार लल्ला सिंह के चचेरे भाई और शिक्षक नागेंद्र सिंह की भी बिलासपुर और तीसरे घायल की अंबिकापुर में मौत हो गई थी। घटना के बाद पुलिस ने 9 आरोपियों के खिलाफ नामजद केस दर्ज किया था। सभी आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है।

### पुलिस ने निकाला जुलूस, कहलवाया- पुलिस हमारी बाप है

मुख्य आरोपी मनोज त्रिपाठी सहित निशांत त्रिपाठी, अमन, आशुतोष त्रिपाठी ने सरेंडर कर दिया है। मनेंद्रगढ़ पुलिस ने सभी आरोपियों को कोरिया पुलिस को सौंप दिया। गौरव त्रिपाठी को पुलिस ने खड़गवां से गिरफ्तार किया। देर शाम सभी आरोपियों को कोर्ट में पेश किया गया, जहां पुलिस ने आरोपियों की रिमांड नहीं ली तो सभी आरोपियों को जेल भेजने का आदेश दिया गया। पुलिस आरोपियों को कोर्ट से लेकर 15 किलोमीटर दूर पटना पहुंची। पटना के मुख्यमार्ग पर आरोपियों का पुलिस ने जुलूस निकाला और कहलवाया कि, जुर्म करना पाप है, पुलिस हमारी बाप है।

## संपादकीय

सुकांत राजपूत

# टेलीग्राम पर रोक से क्या रुक जाएगा पेपर लीक

राष्ट्रीय पात्रता-सह-प्रवेश परीक्षा (नीट यूजी-2026) की शुचिता बनाए रखने के लिए सरकार की ओर से जिस तरह के उपायों पर जोर दिया जा रहा है, अब उन्हीं पर सवाल उठने लगे हैं। राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) की सिफारिश पर केंद्रीय सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने मंगलवार को संवाद ऐप 'टेलीग्राम' पर अस्थायी प्रतिबंध लगा दिया।एनटीए का कहना है कि यह निर्णय इस ऐप की उस तकनीकी सुविधा को ध्यान में रखकर किया गया है, जिसका इस्तेमाल राष्ट्रीय स्तर की परीक्षाओं के संबंध में प्रश्नपत्र लीक के फर्जी साक्ष्य गढ़ने के लिए किया जाता है। मगर क्या सरकार के इस कदम से यह पूरी तरह सुनिश्चित हो पाएगा कि प्रश्नपत्र लीक नहीं होगा? तकनीक के इस दौर में क्या कोई इसी तरह के दूसरे ऐप का इस्तेमाल नहीं कर सकता? जाहिर है कि ऐसे सतही उपाय इस समस्या का स्थायी समाधान नहीं हो सकते हैं।

सरकार ने 'टेलीग्राम' पर नीट यूजी की पुनः परीक्षा होने तक इसलिए रोक लगा दी, क्योंकि इसका इस्तेमाल प्रश्नपत्र लीक के फर्जी साक्ष्य गढ़ने के लिए किया जा रहा है। मगर इसकी मूल जड़ तो वहां है, जहां से प्रश्नपत्र लीक होता है। विचित्र बात है कि प्रश्नपत्रों की छपाई से लेकर उसके परिवहन तक की व्यवस्था को पुख्ता करने का दावा किया जा रहा है, लेकिन परीक्षा संचालन से जुड़े लोगों की जवाबदेही पर कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा है।

यह बात सही है कि किसी संवाद ऐप पर भ्रामक जानकारियां फैलाने से परीक्षार्थियों के मनोबल पर असर पड़ सकता है, लेकिन क्या इस तरह के ऐप पर प्रतिबंध लगा देने से समस्या का स्थायी समाधान निकल पाएगा? ऐसे तो सोशल मीडिया से जुड़े कई मंच हैं, जिन्हें इस तरह की अफवाह फैलाने के लिए इस्तेमाल किया जा सकता है। इस बात से भी इनकार नहीं किया जा सकता कि 'टेलीग्राम' पर पाबंदी से लाखों ऐसे नागरिक भी प्रभावित होंगे, जो इसका इस्तेमाल वैध तरीके से निजी, शैक्षणिक और पेशेवर जानकारी से जुड़े कामों के लिए करते हैं। ऐसे में जरूरी है कि सरकार परीक्षा में गड़बड़ी को रोकने के लिए स्थायी समाधान खोजने की दिशा में कदम उठाए।

# जाम के साथ माइक्रोप्लास्टिक का चखना बिल्कुल मुफ्त !

## कॉलम - खुरचन

द्वारा- हरिदास

शराब प्लास्टिक की बोतलों में भी उपलब्ध हो रही है, यानी हम प्रगति के युग में हैं। शराबी खेमें में इसे लेकर खुशी का माहोल है। उनका मानना है कि यह वैज्ञानिक युग का आगमन है। काँच की बोतल में कई समस्याएँ थीं। गुस्से में फेंको तो टूट जाती थी। किसी के सिर पर लग जाए तो अस्पताल का खर्च अलग। प्लास्टिक की बोतल टूटेगी नहीं, मारो तो भी लोकतंत्र बचा रहेगा। शराबी खेमे की सोच देखिए, वे कहते हैं कि वर्षों से जो काम हम अखबार में लपेटकर, थैले में छिपाकर और मित्रों की निगरानी में करते थे, अब उसे "हाइड्रेशन" का नाम देकर सार्वजनिक रूप से कर सकेंगे। कल को कोई सज्जन रेलवे प्लेटफॉर्म पर लड़खड़ाते हुए मिले तो लोग यह तय नहीं कर पाएँगे कि आदमी नशे में है या सिर्फ़ पानी पी-पीकर भावुक हो गया है।

सभ्यता की यात्रा बड़ी विचित्र है। वर्षों की मेहनत के बाद ऐसी शराबें बना ली गईं जो पानी जैसी दिखती हैं। उनके नाम के साथ स्वाद भी सुगंधित और संस्कारी होते हैं। इतने संस्कारी की नशे में टुन्न व्यक्ति एप्पल और ऑरेंज की महक से सरोबार रहता है, क्योंकि वातावरण में फलोत्पादन का भ्रम बना रहता है। पहले शराब को शराब जैसा दिखने और महकने की मजबूरी थी। अब उसे पानी जैसा दिखाया जा रहा है और फलों जैसा महकाया जा रहा है। यह निस्संदेह प्रगति का प्रमाण है। लेकिन इस प्रगति के मार्ग में एक बड़ी बाधा थी—काँच की बोतल। बेचारी काँच की बोतल दूर से ही सच्चाई बता देती थी। आदमी लाख सफाई दे कि "भाई, यह तो सिर्फ़ पानी है", मगर काँच की बोतल उसकी गवाही बिगाड़ देती थी। विकास के रथ को आगे बढ़ाना था। इसलिए काँच को हटाना पड़ा और प्लास्टिक को लाना पड़ा।

अब व्यवस्था ऐसी हो गई है कि आदमी शराब पी रहा है या पानी, यह जानने के लिए सिर्फ़ आँखें नहीं, प्रयोगशाला भी चाहिए। शराबी समाज इस उपलब्धि से अत्यंत प्रसन्न है। वर्षों से उनका सपना था कि वे सार्वजनिक रूप से भी उतने ही निर्दोष दिखाई दें जितने निजी रूप से उत्साहित रहते हैं। अब ट्रेन में, पार्क में, सड़क किनारे या किसी समारोह में प्लास्टिक की बोतल हाथ में लिए सज्जन को देखकर कोई निश्चित रूप से नहीं कह सकता कि वह जल संरक्षण कर रहा है या आत्मिक सिंचन।

सभ्यता का उद्देश्य भी तो यही है, सच्चाई को इतना आधुनिक बना देना कि उसकी पहचान ही कठिन हो जाए। वैसे भी विकास का असली स्वाद यही माना जा रहा है कि जाम के साथ पैकेजिंग भी भीतर जानी चाहिए। फिर इन्सान प्लास्टिक से कभी डरता है क्या भला ? चम्मच-प्लेट, गिलास, कटोरी, प्याला, थाली, गिलास प्लास्टिक का, पानी की बोतल प्लास्टिक की, थैला प्लास्टिक का। आदमी रोटी कम और पैकिंग ज़्यादा खा रहा है। फिर भला शराब को कैसे छोड़ देते, जाम के साथ चखने में मूंगफली, चना, पापड़ और नमकीन के साथ अब विज्ञान की कृपा से एक नया आइटम जुड़ गया है—माइक्रोप्लास्टिक और वह भी बिलकुल मुफ्त ! यह हमारे भोजन, पानी और जीवन में पहले ही घुल-मिल चुका है। अब उसने सीधे आत्मा तक पहुँचने का मार्ग भी खोज ही लिया है।

वैज्ञानिक हर दिन कहते हैं कि मनुष्य के शरीर में सूक्ष्म प्लास्टिक के कण पहुँच रहे हैं। मुझे लगता है वैज्ञानिक यह बात बहुत देर से बता रहे हैं। हमारे समाज में तो वर्षों से प्लास्टिक केवल शरीर में नहीं, विचारों में भी पहुँच चुका है। आदमी का धैर्य प्लास्टिक का, रिश्ते प्लास्टिक के, मुस्कान प्लास्टिक की और अब जाम भी प्लास्टिक का।

वह दिन दूर नहीं जब आदमी गर्व से कहेगा—

"मैंने जीवन में कुछ नहीं निगला, बस थोड़ा-सा खाना, थोड़ा-सा पानी और पाँच-दस किलो प्लास्टिक।"

और डॉक्टर रिपोर्ट देखकर कहेगा—

"बधाई हो, आप आधे इंसान और आधे पैकेजिंग मटेरियल बन चुके हैं।"

तब शायद शराब से ज़्यादा चिंता इस बात की होगी कि नशा किसका चढ़ रहा है—अंदर की शराब का या उसके साथ घुलकर आए प्लास्टिक का। यदि हालिया अध्ययनों पर विश्वास करें तो माइक्रोप्लास्टिक अब सिर्फ़ नदियों, समुद्रों और कूड़ाघरों में नहीं मिल रहा, वह हमारे शरीर में भी स्थायी नागरिकता प्राप्त कर चुका है। वैज्ञानिक बता रहे हैं कि उसके कण दिमाग तक पहुँच रहे हैं और कोशिकाओं को नुकसान पहुँचा सकते हैं। प्लास्टिक से निकलने वाले रसायनों पर भी तरह-तरह की स्वास्थ्य चिंताएँ व्यक्त की जा रही हैं। लेकिन विकास के मार्ग में ऐसी छोटी-मोटी बातें बाधा नहीं बनतीं। विज्ञान चेतावनी दे रहा है कि माइक्रोप्लास्टिक शरीर में जमा हो रहा है और खुशी मनाई जा रही है कि बोतल टूटेगी नहीं। हमने समस्या को समाप्त करने की बजाए उसका आकार इतना छोटा कर दिया कि वह आँखों से दिखाई न दे, माइक्रोप्लास्टिक के कणों की तरह...

अब डॉक्टर मरीज से पूछने लगे हैं—

"शराब कितनी पीते हो?"

मरीज कहता है—

"डॉक्टर साहब, शराब तो कभी-कभी।"

डॉक्टर पूछते हैं—

"और प्लास्टिक?"

मरीज गर्व से कहने लगे हैं—

"वह तो अब बोतल के साथ मुफ्त मिल रहा है!"

जय हो हरिदास....हरि अनंत हरि कथा अनंता...

# अंतरात्मा की आवाज़ और ईश्वर का वास

एक प्रसिद्ध राजा के मन में अक्सर यह सवाल उठता था कि जीवन का असली सत्य और ईश्वर कहाँ हैं? इस खोज में उसने देश-विदेश के कई बड़े विद्वानों और पंडितों को अपने दरबार में आमंत्रित किया। सबने शास्त्रों के लंबे-चौड़े संदर्भ दिए, लेकिन राजा की आत्मा को संतुष्टि नहीं मिली। एक दिन, राजदरबार में फटे-पुराने कपड़ों में एक फकीर आया। उसके चेहरे पर एक गजब का तेज और शांति थी। राजा ने अपनी जिज्ञासा उसके सामने भी रख दी, "महात्मन! मैं सब कुछ पाकर भी भीतर से खाली हूँ। मुझे ईश्वर और आत्मिक शांति का मार्ग बताइए।"

फकीर मुस्कुराया और उसने राजा से एक गिलास दूध मंगवाया। राजा ने तुरंत सोने के गिलास में गाढ़ा दूध हाजिर कर दिया। फकीर ने उस दूध को गौर से देखा और कहा, "राजन! इस दूध में कुछ कमी है। मुझे इसमें मक्खन दिखाई नहीं दे रहा। लोग तो कहते हैं कि दूध में मक्खन होता है!" राजा हैरान होकर बोला, "बाबा! आप कैसी बातें कर रहे हैं? मक्खन तो इस दूध के कण-कण में छिपा हुआ है। उसे ऐसे ही आँखों से नहीं देखा जा सकता। उसके लिए पहले दूध को जमाकर दही बनाना पड़ेगा, फिर उसे मथना पड़ेगा। तब जाकर मक्खन ऊपर तैरने लगेगा।" फकीर ने गहरी सांस ली और राजा की आँखों में देखते हुए कहा, "राजन! तुम्हारे सवाल का जवाब भी यही है। ईश्वर और परम शांति भी इस संसार के कण-कण में, और स्वयं तुम्हारे भीतर छिपे हुए हैं। उन्हें बाहर की दुनिया या सिर्फ तर्कों में नहीं देखा जा सकता। इसके लिए तुम्हें अपने मन को शांत करना होगा, ध्यान और कर्म मथनी से अपने भीतर उतरना होगा। जब तुम्हारा अंतःकरण मथेगा, तब तुम्हारे भीतर छिपा दिव्य स्वरूप प्रकट हो जाएगा।" राजा को अपनी भूल समझ आ गई। वह जान गया कि अध्यात्म बाहर खोजने की नहीं, बल्कि भीतर जागने की यात्रा है।

साप्ताहिक शहर सत्ता

# योग की ताकत पूरी दुनिया को जोड़ रही हैः पीएम मोदी

## अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर बंगाल की धरती से PM मोदी का संदेश

**नई दिल्ली।** प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार (21 जून 2026) की सुबह कोलकाता के रेड रोड पर आयोजित 12वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के मुख्य कार्यक्रम में देश का नेतृत्व किया. राष्ट्र को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि पूरा विश्व और पूरा देश एक-दूसरे से जुड़ा हुआ नजर आ रहा है और यही तो योग की ताकत है. योग सबको जोड़ता है. प्रधानमंत्री मोदी ने अपने संबोधन में कहा कि 21 जून का ये दिन पृथ्वी के कुछ भूभाग पर साल में सबसे लंबी अवधि का दिन होता है और अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के कारण 21 जून का ये दिन विश्व के सबसे बड़े सामूहिक उत्सव का दिन बन गया है.

कोलकाता के लोगों की सराहना करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि 'स्वच्छता से स्वागत' यह एक अच्छी पहल है. इसके लिए जिस तरह कोलकाता में श्रम किया गया है, नागरिक कर्तव्य निभाया गया है, वह सभी देशवासियों के लिए बहुत बड़ी प्रेरणा बन गया है.संपूर्ण मानव समुदाय को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस की शुभकामनाएं देते हुए पीएम मोदी ने कहा, विश्व के अलग-अलग हिस्सों से एक से एक अद्भुत तस्वीरें आ रही हैं. भारत में हिमालय से लेकर हिंद महासागर तक, पूर्वोत्तर और पूरब में बंगाल से लेकर पश्चिम में सौराष्ट्र तक पूरा देश योग की ऊर्जा से चैतन्य से भरा हुआ नजर आ रहा है. पूरा विश्व और पूरा देश एक-दूसरे से जुड़ा हुआ नजर आ रहा है और यही तो योग की ताकत है. योग सबको जोड़ता है पीएम मोदी ने कार्यक्रम के दौरान पश्चिम बंगाल की महान विभूतियों को याद किया. उन्होंने कहा, योग दिवस के अवसर पर आज बंगाल में होना बहुत ही विशेष है. बंगाल की ये पवित्र भूमि, जहां भगवान रामकृष्ण परमहंस जैसे सिद्ध संतों ने अवतार लिया, जहां से निकलकर स्वामी विवेकानंद ने पूरे विश्व को योग से परिचय कराया,।

## पीएम मोदी बने योग टीचर, लोगों का ठीक कराया पोश्चर

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के मौके पर सोशल मीडिया और मीडिया जगत में पीएम नरेंद्र मोदी के योग सेशन की काफी चर्चा हो रही है। इस बार वे केवल योग करते नहीं, बल्कि एक 'योग टीचर' की भूमिका में नजर आए। पीएम मोदी ने खुद आगे बढ़कर लोगों को अलग-अलग आसनों का सही तरीका सिखाया। योग करते समय जब कुछ लोगों का बॉडी पोश्चर (मुद्रा) थोड़ा गलत हुआ, तो पीएम ने खुद उनके पास जाकर उसे सही कराया। उन्होंने सांस लेने की तकनीक और रीढ़ की हड्डी को सीधा रखने के फायदों को बहुत ही सरल भाषा में समझाया। इंटरनेट पर लोग उनके इस ग्राउंडेड और केयरिंग अंदाज की खूब तारीफ कर रहे हैं। यूजर्स का कहना है कि एक प्रधानमंत्री का प्रोटोकॉल छोड़कर इस तरह लोगों के बीच जाना और एक गाइड की तरह उनका पोश्चर ठीक करना वाकई प्रेरणादायक है।

## शशि थरूर ने की PM मोदी की तारीफ तो भड़की कांग्रेस

**नई दिल्ली।** कांग्रेस सांसद शशि थरूर द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तारीफ किए जाने के बाद शुरू हुआ राजनीतिक विवाद अब और तेज हो गया है. थरूर के बयान पर कांग्रेस नेता पवन खेड़ा की तीखी प्रतिक्रिया के बाद बीजेपी भी मैदान में उतर आई है. बीजेपी ने कांग्रेस और राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि पार्टी प्रधानमंत्री मोदी के प्रति इतनी नफरत से भरी हुई है कि वह अपनी ही पार्टी के नेताओं की सकारात्मक टिप्पणी भी बर्दाश्त नहीं कर पा रही है.पवन खेड़ा के बयान के बाद बीजेपी के राष्ट्रीय प्रवक्ता सी आर केसवन ने कांग्रेस और राहुल गांधी पर तीखा हमला बोला. उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रति राहुल गांधी और कांग्रेस पार्टी की गहरी नफरत और असुरक्षा की भावना ही शशि थरूर के खिलाफ इस प्रतिक्रिया की असली वजह है.केसवन ने कहा कि थरूर ने केवल प्रधानमंत्री की उस बात की सराहना की थी जिसमें उन्होंने भारतीय नागरिक नाविकों की सुरक्षा का मुद्दा मजबूती से उठाया था, लेकिन कांग्रेस इसे भी स्वीकार नहीं कर पाई। बीजेपी प्रवक्ता ने आरोप लगाया कि राहुल गांधी के नेतृत्व में कांग्रेस पार्टी इतनी कड़वी, पक्षपाती और पूर्वाग्रह से ग्रस्त हो गई है।

# मिडिल ईस्ट में क्षेत्रीय अस्थिरता के लिए ईरान जिम्मेदारः जेडी वेंस

**वाशिंगटन।** ईरान और अमेरिका के बीच मिडिल ईस्ट में शांति की कोशिशों और एक स्थायी समझौते को लेकर ज्यूरिख वार्ता चल रही है. इस चर्चा में कतर और पाकिस्तान मध्यस्थता की भूमिका में हैं. पाकिस्तान के पीएम शहबाज शरीफ और मुनीर भी मौजूद हैं. इधर, स्विट्जरलैंड में बातचीत के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस करते हुए अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने कहा है कि अमेरिकी राष्ट्रपति ने हमें कई मुद्दों का कूटनीतिक समाधान खोजने का अधिकार दिया है. सवाल यह है कि क्या हम मिडिल ईस्ट में रिश्तों को स्थायी रूप से तब्दील कर सकते हैं. स्विस रिसॉर्ट बर्गेनस्टॉक में ईरानी अधिकारियों के साथ बातचीत के बाद वेंस ने प्रेस कॉन्फ्रेंस की.

### ईरान पर क्या बोले अमेरिका के उपराष्ट्रपति

अलजजीरा के मुताबिक, शांति के लिए हुई इस मीटिंग में जेडी वेंस ने ईरान को मिडिल ईस्ट में क्षेत्रीय अस्थिरता का कारण बताया है. साथ ही उनपर दोष मढ़ा है. उन्होंने कहा है कि पिछले कुछ घंटों में काफी प्रगति हुई है. वेंस ने कहा हैकि दोनों देश अब एक ऐसे भविष्य की ओर देख रहे है, जहां हर कोई शांति और समृद्धि को बढ़ावा देने के लिए मिलकर काम कर सकें. वेंस ने कहा है कि ट्रंप ने हमसे ईरान के लोगों के साथ अपने रिश्ते बदलने के लिए एक नई शुरुआत करने को कहा है. वेंस ने कहा है कि कुछ दिनों में हमने लेबनान में सीजफायर बनाए रखने की दिशा में प्रगति की है. राष्ट्रपति ट्रंप पूरे क्षेत्र में सीजफायर लागू करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

इस तरह के सीजफायर थोड़े मुश्किल भरे होते हैं. उन्होंने कहा कि तकनीकी बातचीत से शायद हर मतभेद का समाधान न हो, लेकिन इससे हमें इतिहास में पहली बार टीमों के तौर पर साथ बैठने का मौका मिलेगा. पाकिस्तान के पीएम ने बैठक के पहले अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की दूरदर्शी और लीडरशिप की तारीफ करते हुए धन्यवाद दिया है. शरीफ ने कहा है कि मुझे लगता है कि यहां हमारी अच्छी बातचीत होगी. इससे उम्मीद हैकि भविष्य में अच्छे नतीजे मिलेंगे।

## तमिलनाडु के तिरुवल्लूर में अमोनिया गैस लीक, 7 महिलाओं की मौत

**तिरुवल्लूर।** तमिलनाडु के तिरुवल्लूर में रविवार (21 जून, 2026) को अमोनिया गैस के लीक होने के कारण बड़ा हादसा हो गया है. इस भीषण हादसे में अब तक 7 महिलाओं की मौत हो चुकी है. बताया जा रहा है कि यह घटना तिरुवल्लूर जिले के पेरियापलयम के नजदीक कन्नीगईपैर में स्थित एक सी-फूड एक्सपोर्ट्स फेसिलिटी में अमोनिया गैस के लीक हो जाने से घटी है. इस घटना की वजह से कम से कम 67 लोगों के प्रभावित होने की सूचना है. राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन बल (NDRF) की चौथी बटालियन मुख्यालय को तत्काल अलर्ट कर दिया गया है और आपात स्थिति से निपटने के लिए टीम को एक्टिव किया गया है.जिला प्रशासन के अनुरोध के बाद NDRF के चौथी बटालियन के सीनियर कमांडेंट अखिलेश कुमार के नेतृत्व में एक स्पेशलाइज्ड केमिकल, बायोलॉजिकल, रेडियोलॉजिकल और न्यूक्लियर (CBRN) रेस्पॉन्स टीम को तत्काल घटनास्थल पर तैनात किया गया है। रेस्क्यू टीम में एनडीआरएफ के 30 लोग शामिल हैं।

### दिल्ली तप रही, मुंबई ने बचाकर रखा पानी, राहत मिलेगी कब तक?

# कहां है मानसून? कहीं सूखा तो कहीं बाढ़

**नई दिल्ली।** आमतौर पर जून के दूसरे और तीसरे सप्ताह तक देश के बड़े हिस्से में मॉनसून तेजी से आगे बढ़ता दिखाई देता है, लेकिन इस बार तस्वीर अलग है. दक्षिण-पश्चिम मॉनसून की रफ्तार अचानक थम गई है. मौसम विभाग के आंकड़े बताते हैं कि मध्य भारत में बारिश का बड़ा घाटा दर्ज किया गया है, जबकि उत्तर भारत के कई हिस्से अब भी भीषण गर्मी झेल रहे हैं. ऐसे में सवाल उठ रहा है कि आखिर मॉनसून गया कहां?मौसम विशेषज्ञ इसे सिर्फ देरी नहीं, बल्कि मॉनसून की असामान्य सुस्ती मान रहे हैं. इसका असर देश के अलग-अलग हिस्सों में अलग रूप में दिखाई दे रहा है—कहीं गर्मी और जल संकट है तो कहीं अत्यधिक बारिश.

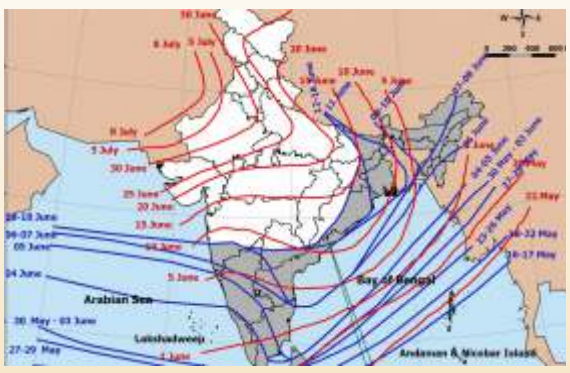


राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में मॉनसून का इंतजार लंबा होता दिख रहा है. IMD के अनुसार अगले कुछ दिनों तक दिल्ली-एनसीआर में टेंपरेचर 40 से 42 डिग्री सेल्सियस के बीच बना रह सकता है. हल्की बारिश, धूल भरी आंधी या तेज हवाएं अस्थायी राहत दे सकती हैं, लेकिन व्यापक वर्षा की संभावना फिलहाल नहीं है.मॉनसून की सुस्त चाल का सबसे बड़ा असर मुंबई की पानी की सप्लाई पर दिखाई देने लगा है. कमजोर मॉनसून की आशंका को देखते हुए BMC ने अतिरिक्त जल भंडार सुरक्षित किया है. बीएमसी का कहना है कि वर्तमान जल भंडारण 17 अगस्त तक शहर की जरूरतें पूरी कर सकता है. जहां दिल्ली और मध्य भारत बारिश के लिए तरस रहे हैं, वहीं कोलकाता के आसपास के इलाकों तथा पूर्वोत्तर राज्यों में हालात बिल्कुल अलग हैं. असम, मेघालय, सिक्किम और उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल में भारी से बहुत भारी बारिश का अलर्ट जारी है. कई क्षेत्रों में जलभराव और भूस्खलन का खतरा बढ़ गया है.यानी देश इस समय मौसम के दो चरम रूपों का सामना कर रहा है—एक तरफ हीट स्ट्रेस, दूसरी तरफ अत्यधिक वर्षा.

### आखिर क्यों अटक गया मॉनसून?

विशेषज्ञों के अनुसार इसके पीछे पांच प्रमुख कारण हैं. अरब सागर से आने वाली नमी युक्त हवाएं कमजोर हैं, दक्षिण-पश्चिमी पवनों की ताकत घटी है, बंगाल की खाड़ी और अरब सागर में कम दबाव की प्रभावी प्रणालियां विकसित नहीं हो रहीं, क्रॉस-इक्वेटोरियल फ्लो कमजोर पड़ा है और मैडेन-जूलियन ऑसिलेशन (MJO) भी अनुकूल स्थिति में नहीं है.

## NEET री-एग्जाम से पहले एक और स्टूडेंट ने किया सुसाइड

**हैदराबाद।** तेलंगाना के मेडचल मलकाजगिरी जिले के मियापुर इलाके में एक हृदयविदारक घटना सामने आई है, जहां आंध्र प्रदेश के कडपा जिले की 20 वर्षीय मेडिकल अभ्यर्थी सना ने शनिवार (20 जून 2026) की रात अपने घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली. यह घटना नीट-यूजी 2026 की पुनः परीक्षा से कुछ ही घंटे पहले घटी, जब वह अपने मियापुर स्थित कल्पना अपार्टमेंट में अकेली थी. उसके पिता जाफर हुसैन इस समय कुवैत में थे. मियापुर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है और शव को पोस्टमार्टम के लिए गांधी अस्पताल भेज दिया गया है. पुलिस इनंसपेकटर पी. शिव प्रसाद के अनुसार, सना पिछले कई दिनों से नीट परीक्षा के बढ़ते दबाव और परिवार की उम्मीदों पर खरा न उतर पाने के डर से गहरे मानसिक तनाव में थी. पुलिस को उसके कमरे से एक सुसाइड नोट मिला है, जिसमें उसने साफ लिखा है कि उसकी मौत के लिए कोई जिम्मेदार नहीं है और यह कदम वह पूरी तरह से मानसिक दबाव के कारण उठा रही है.

# वैभव के तूफान में उड़ा श्रीलंका

## भारत ने जीती ट्राई सीरीज, फाइनल में 66 रनों से मारी बाजी

**कोलंबो।** भारत ने ट्राई सीरीज जीत ली है. फाइनल मुकाबले में टीम इंडिया ने 66 रनों से बाजी मारी. भारत की इस जीत के हीरो रहे वैभव सूर्यवंशी. इंडिया-ए और श्रीलंका-ए के बीच खेला गया फाइनल मुकाबला एकतरफा रहा. इंडिया-ए ने पहले खेलने के बाद 50 ओवर में 9 विकेट पर 377 रन बनाए थे. जवाब में श्रीलंका-ए की टीम 311 रन ही बना सकी. वैभव सूर्यवंशी ने महज 29 गेंद में 94 रनों की तूफानी पारी खेली. वहीं गेंदबाजी में यश ठाकुर और विपरज निगम ने 3-3 विकेट झटके.

भारत के लिए प्रियांश आर्य और वैभव सूर्यवंशी ने 8.5 ओवर में 132 रनों की ओपनिंग साझेदारी की. प्रियांश आर्य ने 29 गेंद में 39 रन बनाए. उनके बल्ले से 6 चौके और एक छक्का आया. वैभव सूर्यवंशी ने 29 गेंद में 94 रन बनाए. उन्होंने 10 चौके और 8 छक्के लगाए. ऋतुराज गायकवाड़ ने 40 रनों का योगदान दिया.

कप्तान तिलक वर्मा ने भी अर्धशतक जड़ा. तिलक ने 90 गेंद में 67 रनों की पारी खेली. उनके बल्ले से 4 चौके और एक छक्का निकला. वहीं कुमार कुशाग्र 36, सूर्यांश शेड्गे 02, निशांत सिंधु 16 और विपरज निगम 27 रन बनाकर आउट हुए. अंकुल रॉय ने अंत में सिर्फ 15 गेंद में 39 रनों की धमाकेदार पारी खेली. इस तरह भारत-ए ने 377 रनों का विशाल स्कोर खड़ा किया.

# जो रूट ने रचा इतिहास, टेस्ट में पूरे किए 14 हजार रन

**नई दिल्ली।** इंग्लैंड के महान बल्लेबाज जो रुट ने न्यूजीलैंड के खिलाफ खेले जा रहे दूसरे टेस्ट की दूसरी पारी में अपने 14,000 टेस्ट रन पूरे किए. वह सचिन तेंदुलकर के टेस्ट में सबसे ज्यादा रन बनाने के रिकॉर्ड को तोड़ने की ओर तेजी से आगे बढ़ रहे हैं. इस टेस्ट की पहली पारी में उन्होंने 46 रन बनाए थे, वह अर्धशतक से चूक गए थे लेकिन दूसरी पारी में अपना अर्धशतक पूरा कर लिया है. जो रुट दुनिया के दूसरे बल्लेबाज हैं, जिन्होंने टेस्ट क्रिकेट में 14,000 रन का आंकड़ा छुआ है. उनके आलावा सिर्फ सचिन तेंदुलकर ने ऐसा किया है, जो अभी टेस्ट में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज हैं. इस लिस्ट में रुट दूसरे नंबर पर हैं. तीसरे नंबर पर रिकी पोंटिंग हैं, जिन्होंने अपने टेस्ट करियर में 287 पारियों में कुल 13378 रन बनाए हैं.

### सचिन से कितने रन पीछे

खबर लिखे जाने तक जो रुट ने अपना अर्धशतक पूरा कर लिया, वह 54 के स्कोर पर नाबाद हैं. उनके टेस्ट में कुल 14049 रन हो गए हैं. ये रुट का 165वां टेस्ट ओर 302वीं पारी है. वह इस फॉर्मेट में 41 शतक लगा चुके हैं. उनका टेस्ट में सर्वाधिक स्कोर 262 का है.सचिन तेंदुलकर ने अपने इंटरनेशनल करियर में 200 टेस्ट खेले, जिनकी 329 पारियों में उन्होंने 15921 रन बनाए. सचिन ने टेस्ट में 51 शतक और 68 अर्धशतक लगाए. वह अकेले ऐसे बल्लेबाज हैं, जिन्होंने इस फॉर्मेट में 50 या इससे ज्यादा शतक लगाए हैं. खबर लिखे जाने तक टेस्ट रनों के मामले में जो रुट अभी सचिन तेंदुलकर 1872 रन पीछे हैं. 35 वर्षीय रुट अभी 2-3 साल आराम से टेस्ट क्रिकेट खेल सकते हैं, पूरी संभावना है कि वह सचिन के इस रिकॉर्ड को तोड़ देंगे.

## 3.5 लाख रुपए मिलने का मैसेज आए तो हो जाएं सावधान!

**नई दिल्ली।** सोशल मीडिया के इस दौर में सूचनाएं जिस कदर तेजी से फैलती हैं, उसी रफ्तार से भ्रामक और गलत जानकारियां भी लोगों तक पहुंचते देर नहीं लगातीं. इस क्रम में इन दिनों प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का भी एक वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें वह एक निवेश प्लेटफॉर्म का प्रचार करते हुए दिखाई दे रहे हैं. वायरल वीडियो में 'क्वांटम एआई' नाम के एक निवेश प्लेटफॉर्म को लेकर दावा किया जा रहा है कि इसमें मात्र 21000-22000 रुपये के शुरुआती निवेश से हर महीने 3.5 लाख रुपये तक की मोटी कमाई की जा सकती है. भारत सरकार की आधिकारिक फैक्ट चेक विंग PIB Fact Check ने जब इस वायरल वीडियो की जांच की तो पाया कि यह एक आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) जनरेटेड डीपफेक वीडियो है।

# विराट-गिल को पछाड़ नंबर-1 बने जायसवाल, शतकों का महारिकॉर्ड

**नई दिल्ली।** जब वनडे टीम में खेलने की बात आती है, तब यशस्वी जायसवाल सबसे दुर्भाग्यपूर्ण खिलाड़ियों में से एक होते हैं. कप्तान शुभमन गिल ने भी यह बात स्वीकारी है. जायसवाल अफगानिस्तान के खिलाफ तीसरे वनडे मैच में 110 रन बनाकर नाबाद लौटे. अपने वनडे करियर का दूसरा शतक लगाकर जायसवाल ने इतिहास रच दिया है. यशस्वी जायसवाल सबसे कम पारी खेलकर वनडे करियर में पहले 2 शतक लगाने वाले भारतीय बल्लेबाज बन गए हैं. उन्होंने यह कारनामा अपने करियर की छठी पारी में किया. इस मामले में उन्होंने विराट कोहली और शुभमन गिल को भी पीछे छोड़ दिया है.

### सबसे तेज 2 शतक

वनडे करियर में सबसे तेज 2 शतक लगाने का भारतीय रिकॉर्ड अब यशस्वी जायसवाल के नाम जुड़ गया है. उन्होंने अपनी छठी वनडे पारी में यह कमाल किया. उनसे पहले यह रिकॉर्ड शिखर धवन के नाम था, जिन्होंने 7 पारियों में 2 शतक लगाए थे. केदार जाधव भी इस लिस्ट में शामिल हैं, उन्होंने 9 पारियों में पहले दो शतक लगाए थे. विराट कोहली और शुभमन गिल इस सूची में काफी पीछे हैं. विराट ने 17वीं पारी में अपना दूसरा वनडे शतक लगाया था, जबकि गिल ने 18वीं पारी में यह मुकाम हासिल किया था.

## कीरोन पोलार्ड ने टी20 में बनाया 'वर्ल्ड रिकॉर्ड

**नई दिल्ली।** टी20 क्रिकेट के इतिहास में सबसे ज्यादा रन बनाने का क्रिस गेल का रिकॉर्ड ध्वस्त हो गया है. यह ऐतिहासिक रिकॉर्ड अब कीरोन पोलार्ड ने अपने नाम कर लिया है. पोलार्ड ने यह मुकाम MLC 2026 के वाशिंगटन फ्रीडम बनाम एमआई न्यूयॉर्क मैच में किया. MI न्यूयॉर्क के लिए उन्होंने शतकीय पारी खेलकर टी20 में सबसे ज्यादा रन बनाने का कीर्तिमान स्थापित किया. कीरोन पोलार्ड के अब 14582 रन हो गए हैं, जबकि क्रिस गेल ने अपने करियर में 14562 रन बनाए थे. पोलार्ड टी20 क्रिकेट के इतिहास में ऐसे पहले खिलाड़ी भी हैं, जिन्होंने इस फॉर्मेट में 700 से अधिक मैच खेले हैं. पोलार्ड अब तक 736 टी20 मैच खेल चुके हैं और चौंकाने वाला तथ्य यह है कि क्रिस गेल ने केवल 463 मुकाबलों में 14 हजार से अधिक रन बनाए थे. कीरोन पोलार्ड ने अपने 736 मैचों के टी20 करियर में केवल 2 शतक बनाए हैं. मेजर लीग क्रिकेट के मैच में वाशिंगटन फ्रीडम के खिलाफ उन्होंने अपने करियर का दूसरा शतक लगाया. इसके अलावा उन्होंने 67 फिफ्टी भी लगाई हैं.

## रिकॉर्ड स्तर पर पहुंचा अमीरों का पलायन

# इस साल 1.65 लाख करोड़पति छोड़ रहे हैं अपना देश

**नई दिल्ली।** दुनिया में कई ऐसे अमीर लोग है जो अब सिर्फ पैसा और आलीशान जिंदगी के लिए नहीं, बल्कि बेहतर सुविधाओं और भविष्य की तलाश में अपने देश को छोड़कर दूसरे देशों में जाने की तैयारी कर रहे हैं. करोड़ों-अरबों की संपत्ति रखने वाले कई करोड़पति अब दूसरे देशों में अपना नया ठिकाना बना रहे हैं.हेनली की अनुमान 2026 के मुताबिक, इस साल करीब 1.65 लाख करोड़पति पैसा, रुतबा और शानदार जिंदगी होने के बावजूद अपना देश छोड़कर दूसरे देशों में शिफ्ट होने जा रहे हैं. अमीरों के देश छोड़ने का ये ट्रेंड दुनियाभर में काफी तेजी से देखने को मिल रहा है. दुनिया में करोड़पतियों के दूसरे देशों में बसने का आंकड़ा पिछले कुछ सालों में तेजी से बढ़ा है. रिपोर्ट के मुताबिक...

2026: इस साल 1.65 लाख अमीरों के देश छोड़ने का अनुमान

2025: पिछले साल 1.42 लाख करोड़पति अपना देश छोड़ चुके थे

2024: साल 2024 में 1.34 लाख करोड़पति ने अपना देश छोड़ा

2013: अगर 2013 से तुलना करें तो उस समय यह संख्या करीब 51 हजार ही थी, यानी आज अमीरों के शिफ्ट होने ये संख्या तीन गुना से ज्यादा बढ़ गई है.

### UAE बना अमीरों का नया ठिकाना

बताया जा रहा है कि संयुक्त अरब अमीरात (UAE) दुनिया भर के अमीरों की पहली पसंद बन चुका है. इसकी सबसे खास बात यह है कि यहां की बेहतर लाइफस्टाइल और बिजनेस का माहौल अमीरों को अपनी ओर खींचती हैं.UAE का वेल्थ मोबिलिटी स्कोर 85.3 बताया जा रहा है, जो इसे सबसे पसंदीदा देशों में शामिल करता है. वहीं अमेरिका का स्कोर 62.3 है. चौंकाने वाली बात यह है कि अमेरिका से भी ज्यादा लोग दूसरी नागरिकता और नए ठिकानों की तलाश कर रहे हैं. रईसों के देश छोड़ने के इस ट्रेंड का असर अब दुनिया की बड़ी अर्थव्यवस्थाओं पर भी दिखाई दे रहा है. अमेरिका और ब्रिटेन जैसे देशों से बाहर जाने वाले अमीरों की संख्या भी बढ़ रही है. ब्रिटेन इस समय अमीरों के देश छोड़ने के मामले में दुनिया के प्रमुख देशों में शामिल है. हालांकि, ब्रिटेन से बाहर जाने वाले लोगों में बड़ी संख्या खुद ब्रिटिश नागरिकों की है.

### भारतीय अमीर क्यों छोड़ रहे हैं देश?

रिपोर्ट के मुताबिक, भारत को लेकर भी कई अहम बातें सामने आई हैं. भारत का वेल्थ मोबिलिटी स्कोर 56.5 बताया गया है. भारतीय अमीरों केदूसरे देशों में जाने के पीछे मुख्य कारणों में पूंजी पर सीमित कंट्रोल और कड़े टैक्स नियम शामिल हैं.

## इनोवकेयर लाइफसाइंसेज को खरीदेगी सन फार्मा

**नई दिल्ली।** भारत में दवा बनाने की सबसे बड़ी कंपनी सन फार्मास्युटिकल इंडस्ट्रीज 271.2 करोड़ रुपये में इनोवकेयर लाइफसाइंसेज प्राइवेट लिमिटेड में 100% हिस्सेदारी खरीदेगी. कंपनी ने शनिवार को एक्सचेंज फाइलिंग में इसकी जानकारी दी. मुंबई बेस्ड इनोवकेयर लाइफसाइंसेज प्राइवेट लिमिटेड मुख्य रूप से फार्मास्युटिकल दवाओं, न्यूट्रास्युटिकल और कॉस्मेस्युटिकल उत्पादों की मार्केटिंग, डिस्ट्रीब्यूशन और बिक्री का कारोबार करती है. 21 जुलाई, 2024 में शुरू हुई यह कंपनी महिलाओं की सेहत और वेलनेस से जुड़ी कैटेगरी में काफी लोकप्रिय है. कारोबारी साल 2025-26 के लिए इनोवकेयर का ऑपरेशन से रेवेन्यू 94.06 करोड़ रुपये था।

साप्ताहिक शहर सत्ता

# अभनपुर में राहुल गांधी ने जिलाध्यक्षों को दी ट्रेनिंग

## रायपुर में टपरी पर पी चाय, बैज को खिलाया बिस्किट

**रायपुर।** लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी आज एक दिवसीय दौरे पर छत्तीसगढ़ के अभनपुर पहुंचे। जहां वे कांग्रेस के 10 दिवसीय प्रशिक्षण शिविर में शामिल हुए। यहां उन्होंने 40 मिनट तक सीनियर नेताओं से मुलाकात की। इसके बाद जिलाध्यक्षों, शहर अध्यक्षों के साथ सीधी बातचीत की।

करीब 4 घंटे के प्रोग्राम के बाद वे एयरपोर्ट के लिए रवाना हुए। इससे पहले एयरपोर्ट के पास ही रुककर राहुल गांधी ने टपरी पर चाय पी और PCC चीफ दीपक बैज को बिस्किट खिलाया। इस दौरान सचिन पायलट, भूपेश बघेल, टीएस सिंहदेव, चरणदास महंत समेत कई सीनियर नेता मौजूद रहे। बता दें कि अभनपुर में चल रहा शिविर पूरी तरह से गोपनीय है, लेकिन कांग्रेस कार्यकर्ता दूर-दूर से पहुंचे हुए थे। यहां कार्यकर्ताओं की इतनी भीड़ रही कि नेता प्रतिपक्ष चरणदास महंत धक्का-मुक्की के बीच गेट के बाहर ही रह गए थे। इसका वीडियो भी सामने आया है।

### सीनियर नेताओं से मिले राहुल गांधी

पूर्व मंत्री गुरु रुद्र कुमार ने बताया कि, राहुल गांधी ने कार्यक्रम में सीनियर नेताओं और पूर्व मंत्रियों से करीब 40 मिनट तक मुलाकात की। इसके साथ ही करीब 70 लोगों का डेलिगेशन भी राहुल गांधी से मिला, जिसमें पूर्व विधायक, सांसद और अन्य पदाधिकारी शामिल थे। प्रदेश की राजनीति को लेकर राहुल गांधी से चर्चा हुई है। इसके बाद उन्होंने जिलाध्यक्षों को ट्रेनिंग दी।

### बाइक चलाकर राहुल गांधी से मिलने पहुंचा था कार्यकर्ता

सक्ती जिले के जैजपुर से आए ब्लॉक अध्यक्ष कौशिक चंद्र ने बताया कि, बाइक चलाकर राहुल गांधी से मुलाक़ात करने दिल्ली गया, लेकिन मुलाकात नहीं हो पाई। आज फिर बाइक से यहां मिलने आया हूं।

### राहुल भ्रष्टाचार की ट्रेनिंग देने आए हैं- पुरंदर मिश्रा

राहुल गांधी के दौरे को लेकर भाजपा विधायक पुरंदर मिश्रा ने तंज कसते हुए कहा कि, राम के ननिहाल छत्तीसगढ़ में उनका स्वागत है। उन्होंने कहा कि यही भगवान राम हैं, जिनके अस्तित्व को राहुल गांधी ने कभी स्वीकार नहीं किया था। राहुल गांधी यहां कांग्रेस कार्यकर्ताओं को क्या सिखाने आ रहे हैं। क्या वे भ्रष्टाचार की ट्रेनिंग देने आए हैं या फिर 'आलू से सोना निकालने' जैसी बातें सिखाने आ रहे हैं। वहीं, पुरंदर मिश्रा के बयान पर पलटवार करते हुए कांग्रेस के पूर्व विधायक विकास उपाध्याय ने कहा कि पुरंदर मिश्रा मानसिक रूप से परेशान हो चुके हैं और उन्हें इलाज की जरूरत है। अंबिकापुर में आज योग दिवस कार्यक्रम शामिल होने पहुंचे सीएम विष्णुदेव साय ने तंज कसते हुए कहा कि राहुल जहां जाते हैं, हश्र सब जानते हैं।

### मिश्रा 'एक्सीडेंटल विधायक' हैं- विकास

विकास उपाध्याय ने तंज कसते हुए कहा कि यदि भाजपा उनका इलाज नहीं करा पा रही है, तो कांग्रेस इसके लिए भी तैयार है। पुरंदर मिश्रा अपना राजनीतिक कद बढ़ाने के लिए इस तरह के बयान दे रहे हैं। मिश्रा 'एक्सीडेंटल विधायक' हैं, वे अनावश्यक बयानबाजी कर सुर्खियां बटोरने की कोशिश कर रहे हैं। कांग्रेस का 10 दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण शिविर शुक्रवार से अभनपुर के चांदी मोड़ स्थित आशुतोष-अलका अग्रवाल मंगल भवन में शुरू हो चुका है। इस शिविर में प्रदेशभर के नवनियुक्त जिला और शहर कांग्रेस अध्यक्ष शामिल हुए हैं। शिविर को केवल भाषणों तक सीमित नहीं रखा गया है। कांग्रेस नेताओं को गांवों में रुककर ग्रामीणों से संवाद करने, मनरेगा की जमीनी स्थिति समझने, नशे की समस्या पर चर्चा की जाएगी।

## जहां से सत्ता की रणनीति बनती थी वहां निगम का टैक्स नोटिस चस्पा

**रायपुर।** सदर बाजार स्थित मोती भवन, जो कभी कांग्रेस के दिग्गज नेता एवं पूर्व मुख्यमंत्री स्व. मोतीलाल वोरा की राजनीतिक गतिविधियों का प्रमुख केंद्र रहा, आज नगर निगम रायपुर के बकायादारों की सूची में शामिल है। कभी सत्ता और संगठन की अहम बैठकों का गवाह रहा यह भवन अब वीरान और जर्जर अवस्था में खड़ा है। भवन पर संपत्तिकर बकाया होने के कारण नगर निगम के जोन-4 और लोक अदालत का नोटिस चस्पा किया गया है। वर्षों से बंद पड़े इस भवन में वर्तमान में कोई निवास नहीं करता। शहर की राजनीतिक विरासत से जुड़े इस भवन पर बकाया कर का नोटिस लगना लोगों के बीच चर्चा का विषय बना हुआ है। लोगों का कहना है कि कभी जहां से प्रदेश की राजनीति की दिशा तय होती थी, आज वही भवन कर वसूली की कार्रवाई का सामना कर रहा है। बता दें कि मोतीलाल वोरा का निधन 21 दिसंबर 2020 को हो गया है, जिसके बाद नोटिस कई सालों से आ रहा है।

## जुलाई में साय सरकार का चिंतन शिविर, आईआईएम में प्रशिक्षण

**रायपुर।** छत्तीसगढ़ की साय सरकार शासन-प्रशासन को अधिक प्रभावी, जवाबदेह और जन केंद्रित बनाने के लिए जुलाई में चिंतन शिविर 3.0 आयोजित करने जा रही है। नवा रायपुर स्थित आईआईएम में प्रस्तावित दो दिवसीय शिविर में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय समेत मंत्रिपरिषद के सभी सदस्य शामिल होंगे। सरकार इसे प्रशासनिक क्षमता बढ़ाने और सुशासन को मजबूत करने की दिशा में अहम पहल मान रही है।

शिविर में मंत्रियों को प्रशासनिक प्रबंधन, नीति निर्माण, नेतृत्व विकास, तकनीकी नवाचार और जनसेवा से जुड़े विषयों पर प्रशिक्षण दिया जाएगा। देश के प्रतिष्ठित प्रबंधन विशेषज्ञ, वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी और विषय विशेषज्ञ विभिन्न सत्रों के जरिए बदलते दौर की जरूरतों के अनुरूप शासन व्यवस्था को अधिक पारदर्शी, जवाबदेह और तकनीक आधारित बनाने के उपायों पर मार्गदर्शन देंगे। प्रशिक्षण के दौरान योजनाओं की प्रभावी मॉनिटरिंग, परिणाम आधारित कार्यसंस्कृति विकसित करने, त्वरित निर्णय प्रक्रिया अपनाने और विभागों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने पर विशेष जोर रहेगा। राज्य सरकार की प्रमुख योजनाओं के क्रियान्वयन की समीक्षा के साथ प्रशासनिक सुधारों पर भी व्यापक मंथन किए जाने की तैयारी है। इस बार के कार्यक्रम को अधिक व्यावहारिक, परिणामोन्मुख और जनहित केंद्रित बनाने पर फोकस किया गया है।

### चिंतन शिविर कब-कब हुआ?

पहला चिंतन शिविर (31 मई-1 जून 2024): आईआईएम नवा रायपुर में आयोजित शिविर में विकसित छत्तीसगढ़-2047 के विजन, सुशासन, नीति निर्माण और प्रशासनिक दक्षता पर मंथन हुआ। नीति आयोग से जुड़े विशेषज्ञों और वरिष्ठ अधिकारियों ने मंत्रियों को संबोधित किया। चिंतन शिविर 2.0 (8-9 जून 2025): सरकार के डेढ़ वर्ष के कामकाज की समीक्षा, विभागीय समन्वय, नवाचार, वित्तीय प्रबंधन, शिक्षा-स्वास्थ्य और विकसित छत्तीसगढ़ के रोडमैप पर चर्चा हुई।

## बिजली बिल का झटका आम लोगों को रुला रहा

**रायपुर।** भाजपा सरकार जब से बनी है, लगातार तीसरी बार बिजली बिल का बड़ा झटका आम लोगों को लगा है। जिस प्रकार कांग्रेस की सरकार ने बिजली बिल हॉफ योजना लाकर आम लोगों को भारी राहत देने का काम किया था। पूर्व जिला कांग्रेस अध्यक्ष उधोराम वर्मा ने बिजली बिल में प्रति यूनिट 50 पैसे की वृद्धि को तुगलकी निर्णय बताया है। भाजपा की सरकार बनते ही पहले हॉफ बिजली बिल योजना बंद की, फिर लगातार तीसरी बार बिजली बिल में बढ़ोतरी कर सरकार सभी वर्गों का बजट बिगाड़ने का काम किया है। खासतौर पर दिहाड़ी मजदूर, जो 200, 250 रुपए रोजी-रोटी कमाने वाले लोग हैं, उनका बिजली बिल भी भारी-भरकम आने लगा है। अभी वर्तमान में 30 से 50 पैसे तक प्रति यूनिट बढ़ोतरी करने से अगले माह से भारी वृद्धि तय है। 175 से 250 रुपए तक की बढ़ोतरी होना तय है। लोग भूपेश बघेल की कांग्रेस सरकार की याद कर रहे हैं, जो आम लोगों की सुविधा के लिए बिजली बिल हॉफ योजना लाकर राहत देने का कार्य किए कोरोनाकाल में भी विषम परिस्थिति में हॉफ योजना देकर लोगों को राहत पहुंचाई। वहीं ये भाजपा सरकार आपदा को अवसर में बदलकर आज भारी महंगाई बढ़ने के बाद आम लोगों पर भारी बोझ डालकर बिजली बिल में प्रति यूनिट 50 पैसे बढ़ाने का काम किया है।

## भाजयुमो की प्रदेश कार्यकारिणी से ओवर एज सदस्य हो सकते हैं बाहर

**रायपुर।** भारतीय जनता युवा मोर्चा की प्रदेश कार्यकारिणी में आधा दर्जन से ज्यादा पदाधिकारी ओवर एज बनाए गए हैं। भाजपा के राष्ट्रीय संगठन ने किसी भी हाल में अंदर 35 को ही पदाधिकारी बनाने का फरमान जारी किया है, इसके बाद भी ओवर एज को पदाधिकारी बना दिया गया है। ओवर एज पदाधिकारियों के बारे में बताया जा रहा है कि ये उम्र का गलत दस्तावेज देकर पदाधिकारी बन गए हैं। भाजयुमो के प्रदेशाध्यक्ष राहुल टिकरिया इस मामले में कह चुके हैं कि शिकायत मिलने पर जांच में कुछ पदाधिकारी ओवर एज पाए गए हैं। जो भी ओवरएज पदाधिकारी हैं, उनको बाहर करने के लिए प्रदेश संगठन के सामने प्रस्ताव रखा जाएगा, वहां से जैसे दिशा निर्देश मिलेंगे, उसके हिसाब से फैसला होगा। भाजपा के प्रदेश प्रभारी नितिन नवीन राष्ट्रीय अध्यक्ष बन गए हैं। ऐसे में जानकारों का कहना है कि नए प्रदेश प्रभारी के आने के बाद ही इस मामले में कोई भी फैसला होगा। भाजयुमो की प्रदेश कार्यकारिणी के साथ ही जिलाध्यक्षों को लेकर भाजपा के राष्ट्रीय संगठन से मिले निर्देश के बाद भाजपा के प्रदेश संगठन ने स्पष्ट रूप से यह निर्देश जारी किया था कि भाजयुमो की प्रदेश कार्यकारिणी में 35 साल से ज्यादा और जिलाध्यक्ष 33 साल से ज्यादा के नहीं होने चाहिए। इस निर्देश के बाद भी प्रदेश कार्यकारिणी में करीब आठ पदाधिकारियों के ओवर एज होने की बात सामने आई है।

### चैन से सोना है तो लालटेन जलाओ, ये बिजली परान ले लेही जैसे स्लोगन बनाए

## बिजली बिल पर कांग्रेस का पोस्टर वार

रायपुर। छत्तीसगढ़ में बढ़ी बिजली दरों और स्मार्ट मीटर के मुद्दे पर कांग्रेस ने पोस्टर पॉलिटिक्स शुरू कर दी है। कांग्रेस नेता और पूर्व विधायक विकास उपाध्याय ने ऐसे पोस्टरों का विमोचन किया, जिनमें भाजपा सरकार पर तंज कसते हुए बिजली संकट को लेकर तीखे नारे लिखे गए हैं। पोस्टरों में सबसे ज्यादा चर्चा "ये बिजली परान ले लेही, बीजेपी ने दिया 440 का झटका" और "चैन से सोना है तो जाग जाओ, बिजली नहीं लालटेन जलाओ" जैसे स्लोगनों की रही। वहीं एक अन्य पोस्टर में लिखा गया है, "बीजेपी, बिजली और बिल... साय सरकार में सब बेड फिल"।

कांग्रेस का कहना है कि ये पोस्टर बढ़ते बिजली बिल, स्मार्ट मीटर की शिकायतों, लो-वोल्टेज और अघोषित बिजली कटौती के खिलाफ जनता की आवाज को सामने लाने के लिए तैयार किए गए हैं। पार्टी इन्हें रायपुर समेत प्रदेश के विभिन्न शहरों में बिजली कार्यालयों और प्रमुख

स्थानों पर लगाएगी। विकास उपाध्याय ने कहा कि छत्तीसगढ़ के लोग पहले से ही महंगी बिजली, बढ़ते बिल और स्मार्ट मीटर की समस्याओं से परेशान हैं। अब बिजली दरों में नई बढ़ोतरी ने उपभोक्ताओं की चिंता और बढ़ा दी है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार में बिजली व्यवस्था लगातार बदहाल हुई है। कांग्रेस नेता ने कहा कि अगर सरकार जल्द समाधान नहीं करती तो पार्टी आंदोलन को और तेज करेगी। उन्होंने आम लोगों से भी इस मुद्दे पर खुलकर सामने आने और अपने अधिकारों के लिए आवाज उठाने की अपील की।

### कितनी बढ़ीं बिजली दरें

छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत नियामक आयोग (CSERC) ने वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए नई बिजली दरों को मंजूरी दी है। इसके तहत घरेलू उपभोक्ताओं के लिए बिजली 30 से 50 पैसे प्रति यूनिट तक महंगी होगी। वहीं कॉमर्शियल उपभोक्ताओं के लिए 20 से 40 पैसे प्रति यूनिट की बढ़ोतरी की गई है। कृषि पंप उपभोक्ताओं को भी अब 40 पैसे प्रति यूनिट अधिक भुगतान करना होगा। हालांकि आयोग ने बिजली कंपनी की ओर से प्रस्तावित 24% वृद्धि को खारिज करते हुए औसतन 6.23% बढ़ोतरी को मंजूरी दी है। नई दरें 1 जुलाई 2026 से लागू होंगी।

# योग को दिनचर्या का हिस्सा बनाएं : मुख्यमंत्री

## 12वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर अम्बिकापुर में सीएम साय ने किया सामूहिक योगाभ्यास

**रायपुर।** मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने आज 12वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर अम्बिकापुर के पीजी कॉलेज मैदान में आयोजित राज्य स्तरीय सामूहिक योगाभ्यास कार्यक्रम में हजारों नागरिकों, विद्यार्थियों, महिलाओं, युवाओं, जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों के साथ योगाभ्यास किया। इस अवसर पर उन्होंने प्रदेशवासियों को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि योग भारत की सनातन ऋषि परंपरा का अमूल्य उपहार है, जिसने आज संपूर्ण विश्व को स्वस्थ, संतुलित और शांतिपूर्ण जीवन का मार्ग दिखाया है। उन्होंने कहा कि योग केवल शारीरिक व्यायाम नहीं, बल्कि शरीर, मन और आत्मा के बीच सामंजस्य स्थापित करने वाली जीवन पद्धति है, जो व्यक्ति को आत्मबल, अनुशासन, सकारात्मक ऊर्जा और जीवन के प्रति संतुलित दृष्टिकोण प्रदान करती है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि इस वर्ष अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की थीम "स्वस्थ आयु के लिए योग" वर्तमान समय की आवश्यकता को प्रतिबिंबित करती है। तेजी से बदलती जीवनशैली, बढ़ते तनाव और स्वास्थ्य संबंधी चुनौतियों के बीच योग प्रत्येक आयु वर्ग के लिए स्वास्थ्य सुरक्षा का सबसे सरल और प्रभावी माध्यम बनकर उभरा है। नियमित योगाभ्यास व्यक्ति को शारीरिक रूप से सक्रिय, मानसिक रूप से सजग और भावनात्मक रूप से संतुलित बनाए रखता है। उन्होंने कहा कि स्वस्थ व्यक्ति ही स्वस्थ परिवार, स्वस्थ समाज और विकसित राष्ट्र की आधारशिला होता है, इसलिए योग को केवल एक आयोजन तक सीमित न रखकर जीवन का हिस्सा बनाना होगा।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व और सतत प्रयासों से योग को वैश्विक पहचान मिली है। वर्ष 2014 में संयुक्त राष्ट्र महासभा में भारत द्वारा रखे गए प्रस्ताव को रिकॉर्ड समय में व्यापक समर्थन प्राप्त होना इस बात का प्रमाण है कि विश्व ने भारतीय ज्ञान परंपरा और योग की उपयोगिता को स्वीकार किया है। आज 21 जून को पूरी दुनिया जिस उत्साह से अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मना रही है, वह भारत की सांस्कृतिक विरासत और वैश्विक नेतृत्व का गौरवशाली उदाहरण है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि योग स्वास्थ्य और आरोग्य की ऐसी विश्वसनीय साधना है, जो जीवन के हर चरण में व्यक्ति का मार्गदर्शन करती है। योग शरीर को निरोग, मन को शांत और विचारों को सकारात्मक बनाता है। मधुमेह, उच्च रक्तचाप, तनाव, अनिद्रा और मोटापे जैसी जीवनशैली जनित समस्याओं से बचाव में योग अत्यंत प्रभावी सिद्ध हो रहा है। उन्होंने कहा कि आधुनिक चिकित्सा विज्ञान भी आज योग की उपयोगिता को स्वीकार कर रहा है और इसे बेहतर स्वास्थ्य के महत्वपूर्ण आधार के रूप में देख रहा है।

मुख्यमंत्री ने भारतीय आध्यात्मिक परंपरा का उल्लेख करते हुए कहा कि महर्षि पतंजलि ने योग को व्यवस्थित एवं वैज्ञानिक स्वरूप प्रदान किया। भगवान शिव को आदियोगी के रूप में स्मरण करते हुए उन्होंने कहा कि भारत की सांस्कृतिक चेतना में योग सदियों से जीवन का अभिन्न अंग रहा है।

### योग को जीवनशैली में शामिल करें : राज्यपाल श्री डेका

**रायपुर।** राज्यपाल श्री रमेन डेका इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर आयोजित योग शिविर में बतौर मुख्य अतिथि शामिल हुए। राज्यपाल ने अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के संदेश का वाचन किया एवं सामूहिक योगाभ्यास में भाग लिया। अपने संबोधन में राज्यपाल ने बारहवें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं दी और कहा कि यह हर्ष का विषय है कि पूरा छत्तीसगढ़ इस ऐतिहासिक अवसर पर सामूहिक योगाभ्यास के माध्यम से स्वास्थ्य, संतुलन और सकारात्मकता के संदेश को जन-जन तक पहुंचा रहा है। उन्होंने समस्त प्रदेशवासियों के स्वस्थ, सुखी और समृद्ध रहने की कामना की। श्री डेका ने प्रदेशवासियों से कहा कि योग को जीवनशैली में शामिल करें, प्रतिदिन योगाभ्यास की आदत बनाए और बच्चों को भी इसकी आदत डाले जिससे उनका शारीरिक व मानसिक स्वास्थ्य अच्छा रहेगा और वे भविष्य में देश के अच्छे नागरिक बनेंगे।

### ऋषि-मुनियों की अमूल्य विरासत है योगः उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा

**रायपुर।** 12 वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर जिला स्तरीय सामूहिक योगाभ्यास कबीरधाम जिले के पी. जी. कॉलेज कवर्धा में आयोजित किया गया। कार्यक्रम के रूप में मुख्य अतिथि उप मुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा भी शामिल हुए। जहां उन्होंने जनप्रतिनिधियों, अधिकारी-कर्मचारी, स्कूल-कॉलेज के छात्र छात्राओं और गणमान्य नागरिकों ने सामूहिक योगाभ्यास किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उप मुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जिनकी पहल से भारत की सदियों पुरानी हमारी स्वस्थ जीवन शैली की यह कला आज पूरे विश्व में अपनायी जा रही है। 12 वर्ष पूर्व अपने निर्वाचित होते ही उन्होंने योगा दिवस को अंतर्राष्ट्रीय स्तर मनाने का आह्वान किया था, जिसे 170 देशों ने समर्थन दिया है। आज प्रधानमंत्री श्री मोदी 12 वर्षों के कार्यकाल के साथ सबसे लंबे समय तक लगातार निर्वाचित प्रधानमंत्री है, इसी के साथ यह अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस का भी 12 वां वर्ष है।

### अच्छे शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के लिए रोज करें योगः उपमुख्यमंत्री अरुण साव

**रायपुर।** उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव 12वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर आज दुर्ग जिला मुख्यालय में खालसा पब्लिक स्कूल प्रांगण में आयोजित योगाभ्यास कार्यक्रम में शामिल हुए। उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव के मुख्य आतिथ्य में आयोजित कार्यक्रम में सांसद श्री विजय बघेल, विधायक श्री रिकेश सेन, पूर्व विधानसभा अध्यक्ष श्री प्रेम प्रकाश पाण्डेय, पद्मश्री से सम्मानित श्रीमती उषा बारले, महापौर श्रीमती अलका बाघमार, जिला पंचायत की अध्यक्ष श्रीमती सरस्वती बंजारे, संभाग आयुक्त श्री सत्यनारायण राठौर, आईजी श्री अभिषेक सांडिल्य, कलेक्टर श्री अभिजीत सिंह, एसएसपी श्री विजय अग्रवाल, विभिन्न विभागों के अधिकारी-कर्मचारी, गणमान्य नागरिक और कई स्कूलों के विद्यार्थियों ने संयुक्त रूप से योग की विभिन्न मुद्राओं का अभ्यास किया। उप मुख्यमंत्री श्री साव ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि इस वर्ष संपूर्ण देश में "योगा फॉर हेल्दी एजिंग" के लिए योग दिवस मनाया जा रहा है।

## वरिष्ठ योग प्रशिक्षिका अनिता साहू ने किया योग सत्र का मार्गदर्शन

# अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर रायपुर प्रेस क्लब में पत्रकारों ने किया योगाभ्यास

**रायपुर।** अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर रायपुर प्रेस क्लब, मोती बाग में पत्रकार साथियों के लिए विशेष योग सत्र का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में पत्रकारों एवं प्रेस क्लब पदाधिकारियों ने सहभागिता करते हुए योगाभ्यास किया और स्वस्थ जीवनशैली अपनाने का संदेश दिया।

योग सत्र का मार्गदर्शन वरिष्ठ योग प्रशिक्षिका अनिता साहू ने किया। उनके साथ पल्लवी चिमनानी एवं ईशानी तोतलानी ने भी विभिन्न योगासन एवं प्राणायाम का अभ्यास कराया। प्रशिक्षकों ने योग के शारीरिक, मानसिक एवं आध्यात्मिक लाभों की जानकारी देते हुए नियमित योग को दैनिक जीवन का हिस्सा बनाने पर बल दिया। इस अवसर पर रायपुर प्रेस क्लब के अध्यक्ष मोहन तिवारी, महासचिव गौरव शर्मा, उपाध्यक्ष दिलीप साहू,

कोषाध्यक्ष दिनेश यदु, संयुक्त सचिव निवेदिता साहू एवं भूपेश जांगड़े सहित अन्य पदाधिकारियों और पत्रकार साथियों ने योगाभ्यास किया तथा सभी को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस की शुभकामनाएं दीं।

प्रेस क्लब पदाधिकारियों ने कहा कि योग भारतीय संस्कृति की अमूल्य धरोहर है, जो स्वस्थ एवं संतुलित जीवन का आधार है। उन्होंने सभी नागरिकों से नियमित योग करने और स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहने का आह्वान किया। कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए रायपुर प्रेस क्लब ने सभी प्रतिभागियों, योग प्रशिक्षकों एवं सहयोगियों के प्रति आभार व्यक्त किया। योगाभ्यास कार्यक्रम में पदाधिकारी के साथ प्रमुख पत्रकार गण सुशील अग्रवाल, मनीष वोरा, राजेश सोनकर ,निकष परमार, अनुराधा, सुधा , सलमा, मनीषा के साथ अन्य पत्रकार शामिल हुए ।

# काजोल से लेकर संजय दत्त तक सेलेब्स ने यूं सेलिब्रेट किया फादर्स डे

हर साल जून के तीसरे रविवार को फादर्स डे मनाया जाता है. इस साल 21 जून को दुनिया भर में फादर्स डे बड़े ही धूमधाम से सेलिब्रेट किया जा रहा है. इस खास मौके पर बॉलीवुड सेलेब्स अपने पिता पर प्यार लटा रहे हैं. काजोल से लेकर हुमा कुरैशी तक ने अपने-अपने पापा को खास अंदाज में विश किया. किसी ने पुरानी तस्वीरों शेयर कीं, तो किसी ने दिल छू लेने वाले मैसेज लिखकर अपने पिता को याद किया.

### पिता को याद कर इमोशनल हुए संजय दत्त

बॉलीवुड के मशहूर एक्टर संजय दत्त ने फादर्स डे के मौके पर अपने दिवंगत पिता सुनील दत्त को याद किया. उन्होंने इंस्टाग्राम पर एक अनसीन फोटो शेयर की है, जिसमें वो अपने पापा के साथ नजर आ रहे हैं. संजय ने इसके कैप्शन में लिखा, 'पापा, मैं आपसे बहुत प्यार करता हूं और आपको बहुत याद करता हूं. काश आप यहां होते. आप मेरी ताकत हैं और हमेशा रहेंगे.' बता दें कि 25 मई 2005 को दिल का दौरा पड़ने से सुनील दत्त का निधन हो गया था. वो बॉलीवुड के दिग्गज अभिनेता और फिल्ममेकर थे.

### आपको हर दिन बहुत याद करती हूं...

बॉलीवुड एक्ट्रेस काजोल ने भी अपने दिवंगत पिता और बंगाली निर्देशक शोमू मुखर्जी को याद किया. उन्होंने इंस्टाग्राम पर एक पुरानी फोटो शेयर की है. इसके कैप्शन में उन्होंने लिखा, 'पुरानी तस्वीरों को देखते हुए एहसास होता है कि आपकी झलक आज भी मेरी मुस्कान में जिंदा है. आपको हर दिन बहुत याद करती हूं.' फोटो में शोमू मुखर्जी अपनी पत्नी तनुजा और एक्ट्रेस के साथ दिख रहे हैं.

### हुमा कुरैशी हुईं इमोशनल

बॉलीवुड एक्ट्रेस हुमा कुरैशी ने इंस्टाग्राम पर पिता सलीम कुरैशी के साथ कुछ खूबसूरत फोटोज पोस्ट की हैं. उन्होंने लिखा, 'बचपन में हमें लगता है कि हमारे पापा के पास हर सवाल का जवाब होता है. फिर हम बड़े होते हैं और समझ आता है कि वो भी जिंदगी को समझने की कोशिश ही कर रहे थे. ऐसी जिम्मेदारियां उठाते हुए, जिन्हें हम तब समझ नहीं पाते थे. ऐसे त्याग करते हुए, जिनके बारे में उन्होंने कभी बताया ही नहीं. हर दिन हमारे लिए खड़े रहते हुए, चाहे जिंदगी कितनी भी मुश्किल क्यों न रही हो.'

### अनन्या पांडे ने शेयर की खूबसूरत तस्वीरें

अनन्या पांडे ने भी फादर्स डे के मौके पर अपने पिता और मशहूर एक्टर चंकी पांडे पर प्यार लुटाया है. इसके साथ उन्होंने अपनी मम्मी भावना पांडे को बर्थडे विश किया. एक्ट्रेस ने इंस्टाग्राम पर फोटोज शेयर करते हुए लिखा, 'हैप्पी बर्थडे मम्मा. हैप्पी फादर्स डे पापा. आप दोनों से बहुत प्यार करती हूं.'

## अक्षय कुमार ने दिल्ली में मनाया योग दिवस

एक्टिंग के अलावा, अगर किसी चीज के लिए लोग अक्सर अक्षय कुमार की तारीफ करते हैं, तो वो है- फिटनेस और योग. उन्होंने कई बार कहा है कि वे अपने दिन की शुरुआत जल्दी करने और सेहत को प्राथमिकता देने में विश्वास रखते हैं. योग भी उनकी दिनचर्या का एक अहम हिस्सा रहा है. योग दिवस के मौके पर भी, यह स्टार केंद्रीय युवा मामले और खेल व श्रम और रोजगार मंत्री मनसुख मंडाविया और 3,000 प्रतिभागियों के साथ एक योग सत्र में शामिल हुए. यह सत्र रविवार को राष्ट्रीय राजधानी के जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में 12वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस समारोह के हिस्से के तौर पर आयोजित किया गया था. अक्षय कुमार ने केंद्रीय मंत्री मनसुख मंडाविया के साथ मिलकर 12वां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया. उन्होंने 'योगा फॉर हेल्दी एजिंग' थीम के तहत आयोजित सामूहिक योग सत्र में हिस्सा लिया. इस इवेंट में 3,000 से ज्यादा लोग शामिल हुए. एक्टर को फिट इंडिया लोगो और सफेद ट्रैकसूट पहने देखा गया।

## India Got Latent S2 : समय रैना ने आलिया भट्ट को जमकर किया रोस्ट

कॉमेडियन समय रैना अपने पॉपुलर शो 'इंडियाज गॉट लेटेंट' के दूसरे सीजन के साथ लौट आए हैं. शो का पहला एपिसोड नेटफ्लिक्स और यूट्यूब पर स्ट्रीम हो चुका है, जिसे दर्शकों से अच्छा रिस्पॉन्स मिल रहा है. इस सीजन के पहले एपिसोड में आलिया भट्ट और शरवरी बतौर गेस्ट नजर आईं. दोनों हसीनाएं अपनी अपकमिंग फिल्म 'अल्फा' के प्रमोशन के लिए पहुंची थीं. शो के दौरान समय रैना ने अपने खास अंदाज में आलिया को जमकर रोस्ट किया, जिससे माहौल और भी मजेदार हो गया.

शो के दौरान समन रैना ने आलिया का वेलकम किया. उन्होंने कहा, 'आलिया जी, सबसे पहले तो मुझे यकीन नहीं हो रहा कि आप यहां हैं.' इस पर एक्ट्रेस बोलीं, 'हां, मुझे अभी थोड़ा पछतावा हो रहा है.' तभी कॉमेडियन बोले, 'मैंने भी 'जिगरा' देखकर पछतावा किया था.' ये सुनते ही वहां मौजूद सभी दर्शक हंस-हंसकर लोटपोट हो गए. कॉमेडियन आगे बोले, 'सच कहूं, तो आपके बगल में बैठकर थोड़ा नर्वस हूं, क्योंकि मैं बहुत बड़ा फैन हूं, आपके पति (रणबीर कपूर) का.'

### यहां कैमरे आप पर हैं...

समय यहीं नहीं रुके, उन्होंने आलिया को कान्स फिल्म फेस्टिवल 2026 के लिए भी एक्ट्रेस का मजाक उड़ा. समय ने कहा, 'आलिया जी, आप इतनी बड़ी एक्ट्रेस हैं. आपकी फिल्मों ने 5000-6000 करोड़ रुपए की कमाई की है. आपके पास इतने फिल्मफेयर अवॉर्ड हैं, नेशनल अवॉर्ड है, बेस्ट एक्ट्रेस का अवॉर्ड है. फिर आप यहां आखिर क्यों आई हैं? 'लेटेंट' में आने की क्या जरूरत थी? कहां कान्स, कहां लेटेंट, लेकिन यहां कैमरे आप पर हैं.' ये सुनते ही आलिया अपनी हंसी रोक नहीं पाईं. लोग भी जोर-जोर से हूटिंग करने लगते हैं.

### यहां फनी हो गईं आलिया जी...

आलिया ने समय को जवाब देते हुए कहा, 'नहीं-नहीं समय, सच कहूं तो हम सभी ये बात पूरे भरोसे के साथ कह सकते हैं कि हमें हंसाने के लिए हम सब कपिल शर्मा के बहुत आभारी हैं.' फिर समय ने कहा, 'वाह! आलिया जी, यहां फनी हो गईं आप. जाकिर भाई के साथ क्या हो गया था?'

## 50 करोड़ के पार 'कॉकटेल 2' बनी 5वीं बड़ी वीकेंड ओपनर

शाहिद कपूर, कृति सेनन और रश्मिका मंदाना स्टारर फिल्म 'कॉकटेल 2' ने बॉक्स ऑफिस पर छप्परफाड़ कमाई की. फिल्म रिलीज होने के बाद से ही छाई हुई है. लोगों की ओर से इसे पॉजिटिव रिस्पांस मिल रहा है. फिल्म ने वर्ल्डवाइड भी 50 करोड़ का आंकड़ा महज दो दिनों में ही पार कर लिया है. ऐसे में चलिए बताते हैं इसने बजट का कितना प्रतिशत वसूल लिया है.

फिल्म 'कॉकटेल 2' के बॉक्स ऑफिस कलेक्शन पर अच्छा खासा बिजनेस कर लिया है. कोईमोई की रिपोर्ट के अनुसार, फिल्म ने शनिवार को 17.15 करोड़ की सॉलिड कमाई की है. जबकि फिल्म ने पहले दिन 14.1 करोड़ का बिजनेस किया और इसके बाद फिल्म का दो दिनों का नेट कलेक्शन 31.25 करोड़ रहा. पहले दिन के मुकाबले दूसरे दिन बॉक्स ऑफिस पर 21.63% का सॉलिड जंप देखने के लिए मिला. फिल्म का दो दिनों का ग्रॉस कलेक्शन 36.87 करोड़ रहा. कोईमोई की रिपोर्ट के अनुसार, 'कॉकटेल 2' 5वीं बड़ी वीकेंड ओपनर 2026 महज दो दिन में ही बन गई है. 'है जवानी तो इश्क होना है' ने तीन दिनों में 28.51 करोड़ का बिजनेस किया था, जिसे ये पछाड़कर पांचवे नंबर पर आ गई है. जबकि तीसरे दिन यानी कि रविवार को माना जा रहा है कि फिल्म 'ओ रोमियो' (34.51 करोड़) के फर्स्ट वीकेंड कलेक्शन को भी पछाड़ सकती है.

## 26 अगस्त को रिलीज होगी 'टॉक्सिक'

साउथ सुपरस्टार यश की फिल्म 'टॉक्सिक' का फैंस लंबे समय से इंतजार कर रहे थे. फिल्म पहले मार्च में रिलीज होने वाली थी लेकिन पोस्टपोन हो गई. अब फिल्म की नई ऑफिशियल रिलीज डेट सामने आ गई है. फिल्म अब अगस्त महीने में रिलीज होगी. फादर्स डे पर यश ने फिल्म की रिलीज डेट अनाउंस करते हुए लिखा- टॉक्सिक 26 अगस्त 2026 को रिलीज होने वाली है. फिल्म की रिलीज डेट काफी सोच समझकर चुनी गई है. 26 अगस्त के आसपास पूरा फेस्टिवल का माहौल है. वरमहालक्ष्मी, ओणम, और रक्षाबंधन जैसे त्यौहारों का फिल्म के भरपूर फायदा मिलेगा. 'टॉक्सिक' का श्रद्धा कपूर की फिल्म 'ईथा' से क्लैश होगा. ईथा टॉक्सिक की रिलीज के दो दिन बाद 28 अगस्त को रिलीज होने वाली है. फिल्म 'रक्षाबंधन' वाले दिन रिलीज होने वाले है. फेस्टिव मोड का फिल्म को फायदा मिलने की उम्मीदें हैं. हालांकि, टॉक्सिक से क्लैश ईथा के लिए मुश्किलें खड़ी कर सकता है. वहीं ईथा का टीजर ऑलाइक लीक हो गया है, फैंस उसे काफी पसंद कर रहे हैं. खैर, देखना होगा टॉक्सिक और ईथा में से कौनसी फिल्म धमाका करती है।

# जगतूगुड़ा से नाम हुआ जगदलपुर

**कमलेश यादव**

आज जिस जगदलपुर को हम बस्तर की सांस्कृतिक राजधानी और संभाग मुख्यालय के रूप में जानते हैं, उसकी कहानी एक छोटे से गांव जगतूगुड़ा से शुरू होती है। यह केवल नाम बदलने की कहानी नहीं, बल्कि समय, संस्कृति, इतिहास और विकास की एक ऐसी यात्रा है, जिसने एक छोटे से बसेरे को पूरे बस्तर की पहचान बना दिया।

करीब 1770 में बस्तर के पूर्व महाराजा दलपत देव ने जगतूगुड़ा को अपनी राजधानी बनाया। इसके बाद इस गांव की तकदीर बदलने लगी। राजमहलों की रौनक, प्रशासनिक गतिविधियों और लोगों की बढ़ती आवाजाही ने इसे धीरे-धीरे एक महत्वपूर्ण नगर का स्वरूप प्रदान किया। कहते हैं कि किसी स्थान की पहचान केवल उसकी इमारतों से नहीं, बल्कि वहां की संस्कृति और लोगों से बनती है। जगदलपुर इसका जीवंत उदाहरण है, जहां आदिवासी परंपराएं और शहरी संस्कृति आज भी एक-दूसरे का हाथ थामे नजर आती हैं।

अंग्रेजी शासन के दौरान भी जगदलपुर का महत्व बढ़ता गया और इसे प्रशासनिक गतिविधियों का प्रमुख केंद्र बनाया गया। स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद 1 जनवरी 1948 को बस्तर रियासत का भारतीय संघ में विलय हुआ और जगदलपुर अविभाजित बस्तर जिले का मुख्यालय बना। इसके साथ ही यह नगर विकास की नई राह पर आगे बढ़ता चला गया।

जगदलपुर की सुनियोजित बसाहट का श्रेय राजा रुद्रप्रताप के कार्यकाल में पंडित रायबहादुर बैजनाथ पंडा को दिया जाता है। उस समय नगर को व्यवस्थित रूप से बसाने की जो कल्पना की गई थी, उसकी झलक आज भी यहां के पुराने मोहल्लों में दिखाई देती है। ब्राह्मणपारा, पनारापारा, कुम्हारपारा, हिकमीपारा, राउतपारा, कोस्टापारा, घड़वापारा और परदेशीपारा जैसे मोहल्ले आज भी अपने इतिहास को संजोए हुए हैं। साल 1962 में लगभग नौ लाख रुपये की लागत से भव्य कलेक्टरेट भवन का निर्माण हुआ, जिसे आज भी लोग प्यार से रनबलखा बिल्डिंग के नाम से जानते हैं। उस दौर की यह इमारत प्रशासनिक व्यवस्था और विकास की नई पहचान बन गई। इसके अलावा रियासतकालीन विश्राम भवन, पुराना जेल, न्यायालय, मंदिर, राजमहल और अन्य ऐतिहासिक स्मारक आज भी बीते समय की गवाही देते हैं।

समय के साथ जगदलपुर ने आधुनिकता को अपनाया, लेकिन अपनी जड़ों को कभी नहीं छोड़ा। यही कारण है कि आज यह शहर केवल प्रशासनिक केंद्र नहीं, बल्कि बस्तर की आत्मा के रूप में पहचाना जाता है। यहां के चौक-चौराहे, बाजार, त्यौहार, लोककलाएं और लोगों का अपनापन हर आगंतुक को अपनेपन का अहसास कराते हैं। शायद इसी वजह से जगदलपुर को आज चौराहों का शहर भी कहा जाता है। जगतूगुड़ा से जगदलपुर बनने तक की यह अविस्मरणीय सफर हमें बताती है कि इतिहास केवल किताबों में नहीं बसता, वह शहरों की गलियों, पुरानी इमारतों और लोगों की स्मृतियों में भी जीवित रहता है। जगदलपुर उसी जीवंत इतिहास का नाम है, जो अपने अतीत को संजोए हुए भविष्य की ओर आत्मविश्वास के साथ बढ़ रहा है।

# अनेक रहस्यों से भरा नागाबेली दहरा

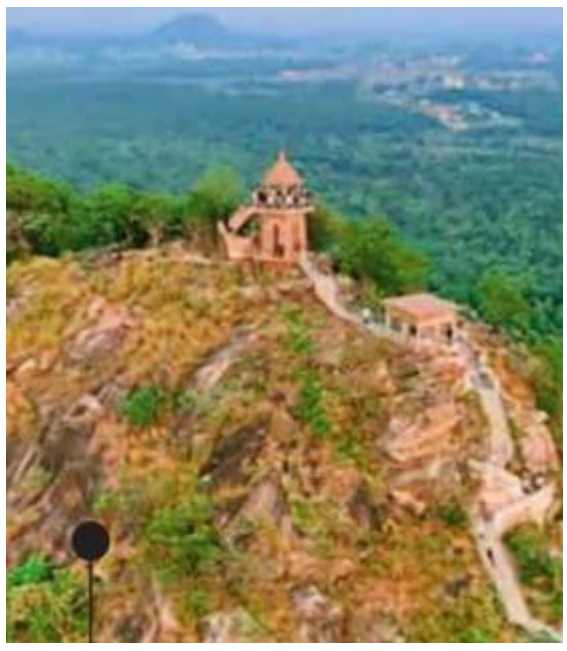

**गजानंद प्रसाद देवांगन**

छत्तीसगढ़ के गरियाबंद जिले में ग्राम कोसमी (छुरा) गांव में बहुत बड़ा और पुराना तालाब को नागाबेली दहरा नाम से जानते हैं। डोंगरी के पास ही यह तालाब काफी गहरा और दलदल युक्त है। इस तालाब में बड़ी बड़ी मछलियां भी हैं। इस तालाब में जितने भी डूबे उनका कभी पता नहीं चला। इस रहस्यमयी घटना के पीछे कारणों का आज तक पता नहीं चला। लोगों का मानना है कि इस तालाब में देव मछली का निवास है, जिसे पकड़ने के लिए किसी ने आज तक हिम्मत नहीं जुटा पाया। प्रयास भी किए गए पर सारे प्रयास असफल होते रहे। यहां लोगों की मान्यता है कि देव मछली के अग्र भाग में सोने की नथ जड़ी हुई है जो अपने भक्तों को दिखाई देती हैं। अनेक चमत्कारी घटनाओं के कारण इस स्थान को टेंगनाही डोंगरी के नाम से भी जानते हैं। पहले इस तालाब में पुश्तैनी मछली मारने का काम एक परिवार करता था, बाद में इस परिवार ने मछली मारना और खाना छोड़ दिए। साथ ही भक्ति भाव से तालाब की पूजा पाठ में लगा यह परिवार जड़ी बूटी के माध्यम से असाध्य रोगों का इलाज करते हैं, जिसमें स्वास्थ्य लाभ लेने लोग दूर दूर से यहां आते हैं, जो तालाब की विधवत पूजा अर्चना भी करते हैं।

# सरगुजा अंचल में प्रसिद्ध रजवार भित्तिचित्र

**सतीश उपाध्याय**

सरगुजा क्षेत्र के तहसील अंबिकापुर अंतर्गत आने वाले गांव पुहुपुटरा, लखनपुर, केना पारा आदि में गांव की महिलाओं द्वारा कच्ची मिट्टी से बनी झोपड़ियों की दीवारों पर गोबर, चाक मिट्टी से आकृति उकेरी जाती है। खासकर विभिन्न त्योहारों, धार्मिक अवसरों के समय अपने घरों की सज्जा हेतु दीवारों में कच्ची मिट्टी द्वारा पेड़ पौधों, पशु पक्षियों आदि की आकृतियां बना कर उनमें अनेक रंग भरे जाते हैं जिससे देखने में आकर्षक लगते हैं। यहां यह कला रजवार भित्ति चित्र कला के नाम से जानी जाती है। देश विदेश में इन भित्ति चित्रों की प्रदर्शनी भी लगाई जाती है, जिसमें करमा माता की पूजा, करमा नाच, राहगीर, बैलगाड़ी, मछली पकड़ने का दृश्य गोधूलि बेला तथा श्रृंगार की हुई ग्रामीण युवतियों के चित्रों को मूल विषय बनाया जाता है।

# बिलासपुर संभाग में स्थित रहा बच्छौदगढ़

**डा. टी. आर. रामटेके**

गुप्तकालीन चौथी शताब्दी इसवी का ईंट निर्मित मंदिर खरौद में है। खरौदगढ़ को कलचुरी शासकों ने भी अपने राज्यकाल में गढ़ के रूप में उपयोग किया था। वर्तमान में खरौदगढ़ की खाई व मिट्टी के परकोटे के सिर्फ कुछ अवशेष उपलब्ध हैं। बिलासपुर संभाग मुख्यालय व जांजगीर जिला मुख्यालय से 35 कि मी दूरी पर बलौदा शहर से 5 कि मी दूरी पर स्थित है। गढ़ से एक कि मी दूरी पर लीलागर नदी है। गढ़ के प्रमुख प्राकार की भूतल पर चौड़ाई 45 मी व ऊंचाई 10 मी है। उसके बाहर की ओर परिखा की चौड़ाई 50 मी व गहराई 15 मी है। प्राकार के भीतर की परिखा की चौड़ाई 20 मी व गहराई 10 मी है। प्राकार के भीतर गढ़ का व्यास 250 मी है। गुप्तकालीन चौथी शताब्दी इसवी का ईंट निर्मित मंदिर खरौद में है। खरौदगढ़ को कलचुरी शासकों ने भी अपने राज्यकाल में गढ़ के रूप में उपयोग किया था। वर्तमान में खरौदगढ़ की खाई व मिट्टी के परकोटे के सिर्फ कुछ अवशेष उपलब्ध हैं। उत्तरी भारत के मगध साम्राज्य से छत्तीसगढ़ की रक्षा हेतु रामगढ़ में पहाड़ी किले का निर्माण शरभपूरीय शासकों द्वारा किए जाने का अनुमान लगाया जाता है, क्योंकि गुप्त सम्राट समुद्र गुप्त के इलाहाबाद स्तम्भ अभिलेख में कोसल के राजा महेंद्र की पराजय का उल्लेख है। शरभपूरीय वंश के शासकों ने मल्हारगढ़ को ही शरभपुर के रूप में अपनी राजधानी बनाया।

# अनेक विधाओं में लेखन किए प. अमृतलाल दुबे

**प्रो. अश्विनी केशरवानी**

बिलासपुर के अरपा पार सरकंडा के भैरव प्रसाद दुबे और राम बाई के इकलौते पुत्र के रूप में अमृतलाल दुबे का जन्म 01 अगस्त 1925 को हुआ। स्नातक की परीक्षा पास होने के बाद वनवासी सेवा मंडल में क्षेत्राधिकारी के रूप में धरमजयगढ़ में पदस्थ हुए। एम ए करने के बाद म. प्र. आदिम जाति कल्याण विभाग में क्षेत्र संयोजक के रूप में अपनी सेवाएं दी। साथ साथ लेखन में रूचि होने के कारण 1953 में प्रयास प्रकाशन द्वारा उनकी हिन्दी छत्तीसगढ़ी कविताओं का संग्रह 'मानस मुकता' का प्रकाशन हुआ। आपकी रचनाओं का प्रसारण आकाशवाणी अंबिकापुर, रायपुर और इंदौर केंद्र से होता रहा। आपने ददरिया को भी अच्छे ढंग से रेखांकित करने का प्रयास किया है। उनके एक गीत की बानगी -

परसा के साड़ी विराले पड़वा,
तोर आई गए जवानी गड़ाले मड़वा।
तोला कोनो नई Only झूमय माच्छी,
बीन ले लुगरा दिए आंधी।

1963 में म. प्र. आदिम जाति कल्याण विभाग द्वारा उनके लोकगीतों के संग्रह को प्रकाशित की गई तथा इसी पुस्तक पर ईसुरी पुरस्कार प्रदान किया गया। अपने जीवन के अंतिम क्षणों तक लेखन करते रहे तथा 55 वर्ष की अल्पायु में 02 अप्रैल सन 1980 को देहावसान हो गया।

साप्ताहिक शहरसत्ता

# साय महफ़ूज़ मंत्री खतरे में...

मुख्य संवाददाता/प्रदीप चंद्रवंशी
मोबाईल नंबर 7000681023

साय सुशासन में सूबा-ऐ-सदर को छोड़कर उनके मातहत 13 मंत्रियों की कार्यशैली औसत से भी कम है। जनता के जेहन में मुख्यमंत्री विष्णु देव ही एकमात्र संवेदनशील है बाकियों के विभागीय अतरंग से सभी वाकिफ़ है। जमीन रजिस्ट्री, स्वास्थ्य विभाग के घोटाले, साड़ी से लेकर मंगल सूत्र तक और राजस्व विभाग का कच्चा चिट्ठा सुशासन पर बट्टा साबित हो सकता है।

**शहरसत्ता/रायपुर।** मुख्यमंत्री निवास में हुई बैठक की चर्चा पूरे प्रदेश में हो रही है...राजनीतिक गलियारों में कई तरह के सवाल उठ रहे है ...आख़िर बैठक में क्या हुआ है ? मंत्रियों के कामकाज से क्या संगठन नाराज है ? नाराज हैं तो किस मंत्री पर और क्यों नाराज हैं! क्या इस नाराजगी से मंत्रियों को नुकसान उठाना पड़ सकता है? या ऐसा कुछ हुआ ही नहीं है ...पूरे दिन जिस बैठक को लेकर सियासी गलियारे में चर्चा थी आज की पंचायत में उसी की बात करेंगे।

छत्तीसगढ़ में मंत्रियों को अचानक मुख्यमंत्री निवास तलब किया गया। सुबह मंत्रियों के पास फोन पहुंचा की रात 9:00 बजे मुख्यमंत्री निवास में बड़ी बैठक होगी। सारे काम छोड़कर राजधानी पहुंचे। मंत्रियों के पास जिस समय फोन पहुंच रहा था उसे समय हर मंत्री अलग-अलग क्षेत्र में अपने कार्यक्रमों में शामिल हो रहा थे। अचानक एक फोन कॉल ने मंत्रियों की धड़कनें तेज कर दी। मंत्रियों को ना तो एजेंडा बताया गया ना कोई ब्लूप्रिंट दिया गया।

मंत्रियों को सीएम हाउस बुलाया गया तो राजनीतिक गलियारों में कई तरह की चर्चाएँ होने लगी...बैठक मे मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, सभी मंत्री सहित प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंहदेव...क्षेत्रीय संगठन महामंत्री अजय जामवाल और संगठन महामंत्री पवन साय मौजूद रहे...मतलब बैठक में केवल 17 सदस्य ही शामिल हुए थे... मुख्यमंत्री निवास से देर रात निकालने के बाद डिप्टी सीएम विजय शर्मा ने बैठक को हर 3 महीने में होने वाली बैठक करार दिया। लेकिन जब उनसे सवाल किया गया कि क्या मंत्रिमंडल में बदलाव होगा तो उन्होंने साफ साफ इंकार तो नहीं किया बल्कि गेंद मुख्यमंत्री के पाले में डाल दी। सबसे रोचक जवाब तो वरिष्ठ आदिवासी मंत्री रामविचार नेताम का आया। उन्होंने कहा, 'सभी लोग मुस्कुराइए, सभी तरह के कयास निष्फल' उनका इशारा मंत्रिमंडल मे बदलाव की तरफ था।

मुख्यमंत्री निवास पर मंत्रियों की बैठक से पहले क्या हुआ, उसे जान लेते हैं। क्षेत्रीय संगठन महामंत्री अजय जामवाल और प्रदेश महामंत्री संगठन पवन साय ने प्रदेश महामंत्रियों की बैठक ली। इसमें सभी जिला अध्यक्षों से मंत्रियों का रिपोर्ट कार्ड मंगाया गया था। इसकी रिपोर्ट लेकर जामवाल और साय सीएम हाउस पहुंचे। इस रिपोर्ट के आधार पर मंत्रियों को संगठन की तरफ से ठीक ठाक फटकार लगी है ...जिला अध्यक्ष लगातार मंत्रियों के ख़िलाफ़ शिकायत कर रहे थे...इसलिए बैठक बुलाई गई थी... संगठन की तरह से कहा गया...कार्यकर्ताओं और जनता से गैप नहीं होना चाहिए...अगर ऐसा होता है तो ये आपकी असफलता है...पुलिस - प्रशासन को कार्रवाई करने दीजिए...अपने प्रभार वाले जिले में जाइए और सिर्फ फोटोबाज़ी नहीं करनी है...जमीन पर काम दिखना चाहिए। जिला अध्यक्षों ने आरोप लगाया था कि मंत्री पदाधिकारी और कार्यकर्ताओं की सुन नहीं रहे हैं। जिलों के दौर में पदाधिकारी से संवाद नहीं किया जा रहा है। सबसे ज्यादा आरोप सरगुजा संभाग के एक वरिष्ठ मंत्री पर लगाया गया।

एक मंत्री पर आरोप लगा कि जिले के अधिकारी पदाधिकारी की नहीं सुनते। अधिकारियों से जब बात की जाती है तो वह कहते हैं मंत्री जी से बात करा दो। इस पर कई मंत्रियों ने भी कहा कि बड़े अधिकारी उनकी भी बात नहीं सुन रहे हैं। बैठक में यह बात सामने आई कि अगर आप कार्यकर्ताओं की नहीं सुनेंगे तो ढाई साल बाद किस मुंह से वोट मांगेंगे। कुल मिलाकर कवायद कार्यकर्ताओं की नाराजगी को दूर करने और ढाई साल बाद होने वाले विधानसभा चुनाव पर टिकी रही।

ये वो मुद्दे है... जिससे पिछले कुछ महीने में सरकार की छवि पर सवाल उठे...मंत्रियों के आपसी मतभेद जैसे सवाल उठे ...बैठक बड़ी थी इसे नजरअंदाज नहीं किया जा सकता है...क्योंकि अजय जामवाल और पवन साय एक रिपोर्ट दिल्ली भेजने वाले है...।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक श्री सुकांत राजपूत द्वारा ए.आर. प्रिंटर्स, निरंकारी फर्नीचर के पीछे, पंडरी रायपुर से मुद्रित एवं शहरसत्ता, एस-15 प्रियदर्शिनी नगर, सेक्टर 1, मातृ-पितृ छाया अपार्टमेंट, रायपुर (छ.ग.), मोबाईल नं. 98271-81979, फोन नं. 0771-3158142, संपादक - सुकांत राजपूत (पीआरबी एक्ट के तहत समाचार के लिए जिम्मेदार), महाप्रबंधक - प्रदीप चंद्रवंशी (मो. 70006-81023)। डाक पंजीयन - CG/RYP/DN/70/2025-27